दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली ।। मंगलवार 23 जुलाई -2024 | ● वर्ष : 8 अंक : 284 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

मोदी सरकार 3.0 का पहला बजट आज

बजट में आम आदमी को मिल सकती है बड़ी राहत

नई दिल्ली: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कल यानी मंगलवार को बजट पेश करेंगी। इस बजट पर सबसे ज्यादा नजर जॉब करने वालों की रहेगी। माना जा रहा है कि सैलरीड एम्प्लॉई के लिए बजट के पिटारे से कई सुविधाएं निकल सकती हैं। इनमें इनकम टैक्स स्लैब में बेसिक छूट से लेकर दूसरी कई कटौतियों में बढ़ोतरी तक हो सकती है।

इन 5 चीजों में मिल सकती है राहत

1. स्टैंडर्ड डिडक्शन में छूट : अभी नई और पुरानी, दोनों तरह की टैक्स व्यवस्थाओं में 50 हजार रुपये का स्टैंडर्ड डिडक्शन मिलता है। यह वह छूट है जो टैक्सपेयर्स को बिना कहीं कुछ निवेश किए मिलती है। इसे साल 2019 के बजट में 40 हजार से बढ़ाकर 50 हजार रुपये किया गया था। माना जा रहा है कि इस बार बजट में स्टैंडर्ड डिडक्शन की लिमिट बढ़ाकर 60 हजार से एक लाख रुपये तक की जा सकती है।

2. धारा 80सी की लिमिट बढ़ाना : इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत टैक्सपेयर अपनी कमाई पर 1.50 लाख रुपये तक की कटौती कर सकते हैं। इसके लिए PPF, NPS, SSY, 5 साल की FD आदि स्कीम में निवेश करना पड़ता है। साल 2014 से इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है।

3. टैक्स स्लैब में बदलाव : इनकम टैक्स की नई और पुरानी, दोनों के स्लैब में बदलाव किया जा सकता है। अभी पुरानी व्यवस्था में 2.50 लाख रुपये तक की और नई टैक्स व्यवस्था में 3 लाख रुपये तक की बेसिक छूट दी गई है।

4. बढ़ सकती है इलाज में छूट की लिमिट : बजट में इलाज में छूट की लिमिट बढ़ सकती है।

5. एनपीएस में बढ़ सकती है लिमिट।

कमिश्नरेट में एक महीने के लिए लगाई गई धारा-144

कांवड़ यात्रा और स्वतंत्रता दिवस को लेकर लिया गया फैसला

भड़काऊ गीत और पोस्टर को लेकर भी रहेगी सख्ती

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम में आगामी एक महीने के लिए एडिशनल सीपी दिनेश कुमार पी के आदेश पर धारा-144 लगा दी गई है। इस दौरान कांवड़ यात्रा और स्वतंत्रता दिवस का हवाला दिया गया है। साथ ही लाउडस्पीकर को लेकर न्यायालय के गाइडलाइन का पालन करना होगा। वहीं कांवड़ यात्रा में मांस बिक्री की दुकानें पूरी तरीके से बंद करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके साथ ही सांप्रदायिक सद्भाव, समरसता और शांति स्थापित करने पर भी पुलिस ने ध्यान देने के आदेश दिए गए हैं। वहीं पेट्रोल, हथियार और सोशल मीडिया पर कोई भी भ्रामक सामग्री व पोस्ट ना डालने का भी निर्देश जारी किया गया है। धारा-144 का उल्लंघन करने वालों से पुलिस सख्ती से पेश आएगी। इस दौरान शादी, विवाह एवं अंतिम यात्रा पर किसी प्रकार की रोक नहीं लागू की जाएगी।

कांवड़ मार्ग पर यातायात डायवर्जन पर सहयोग की अपील

करंट क्राइम : धारा-144 लागू करने के साथ ही पुलिस ने लोगों से अपने सार्वजनिक स्थानों व घर की छत पर किसी प्रकार की ईंटें, पत्थर, कांच की बोतले, सोड़ा बॉटल एकत्रित नहीं किए जाने का आदेश दिया है। तो वही किसी भी व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया के माध्यम से कोई भी ऐसी सामग्री नहीं प्रकाशित करवानी है, जो जन भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली हो। कांवड़ यात्रा के दौरान रूट डायवर्जन में पुलिस का सहयोग और सार्वजनिक स्थानों पर खुलेआम मदिरा और नशीले पदार्थों का प्रयोग करने पर पुलिस कार्रवाई वाला रुख अख्तियार करेगी।

नेमप्लेट विवाद पर यूपी सरकार को झटका

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा मार्ग पर होटलों को अपने मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने यूपी प्रशासन के फैसले पर रोक लगा दी है।

कोर्ट ने कहा कि दुकानदारों को पहचान बताने की जरूरत नहीं। दुकान मालिकों को नाम बताने की जरूरत नहीं है। दुकानदारों को सिर्फ खाने के प्रकार बताने की जरूरत है। मतलब यह कि दुकान पर सिर्फ लिखे होन की जरूरत है कि वहां मांसाहारी खाना मिल रहा है या शाकाहारी खाना। कोर्ट ने इस मामले में अदालत ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है।

कोर्ट ने एनजीओ एसोसिएशन ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स द्वारा याचिका दाखिल की गई। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने भी आदेश के खिलाफ याचिका दायर की है, जिसे अभी सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। जस्टिस हृषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने मामले की सुनवाई की।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि क्या यह प्रेस स्टेटमेंट था या औपचारिक आदेश था कि इन्हें प्रदर्शित किया जाना चाहिए? याचिकाकताओं के वकील ने जवाब दिया कि पहले एक प्रेस स्टेटमेंट था और फिर लोगों में आक्रोश था और वे कहते हैं कि यह स्वैच्छिक है लेकिन वे इसे सख्ती से लागू कर रहे हैं।

वकील ने कहा कि कोई औपचारिक आदेश नहीं है, बल्कि पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह एक छद्म आदेश है।

एक याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह ने कहा, ।अधिकांश लोग बहुत गरीब सब्जी और चाय की दुकान के मालिक हैं और इस तरह के आर्थिक बहिष्कार के अधीन होने पर उनकी आर्थिक मृत्यु हो जाएगी। अनुपालन नहीं करने पर दुकानदारों को बुलडोजर कार्रवाई का सामना करना पड़ा है।।

सुप्रीम कोर्ट ने सिंघवी से कहा कि हमें स्थिति को इस तरह से बयान नहीं करना चाहिए कि जमीन पर जो है, उसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाए। इन आदेशों में सुरक्षा और स्वच्छता के आयाम भी हैं।

सिंघवी का कहना है कि कांवर यात्राएं दशकों से होती आ रही हैं और मुस्लिम, ईसाई और बौद्ध समेत सभी धर्मों के लोग उनके रास्ते में उनकी मदद करते हैं। अब आप किसी विशेष धर्म का बहिष्कार कर रहे हैं।।

रॉन्ग साइड आ रही ऑल्टो ने स्कूटी सवार मां-बेटे को उतारा मौत के घाट

हेलमेट पहने युवक की भी नहीं बची जान

गाजियाबाद, करंट क्राइम । दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर ऑल्टो कार की टक्कर से स्कूटी सवार मां-बेटे की मौत हो गई। ऑल्टो कार रॉन्ग साइड से आ रही थी। इस वजह से ये हादसा हुआ। पुलिस ने कार ड्राइवर को गिरफ्तार करते हुए दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है। हादसा इतना भीषण था कि कार की टक्कर से स्कूटी पर पीछे बैठी महिला 10 फुट ऊपर उछलकर सड़क पर दूर जाकर गिरी।

महरौली अंडरपास पर हुआ हादसा

करंट क्राइम । एसीपी वेव सिटी पूनम मिश्रा ने बताया, रविवार रात ये हादसा गाजियाबाद में महरौली अंडरपास के नजदीक हुआ। मां-बेटे स्कूटी पर मेरठ से दिल्ली की तरफ जा रहे थे। उसी लेन पर सामने से ऑल्टो कार आ रही थी। कार ने स्कूटी में तेज टक्कर मार दी। हादसे में घायल स्कूटी सवारों को तुरंत नजदीक के मणिपाल हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां उनको मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान 20 वर्षीय यश गौतम और उनकी 40 वर्षीय मां मंजू देवी के रूप में हुई। दोनों दिल्ली में वेस्ट विनोदनगर के रहने वाले थे।

एक्सप्रेस-वे पर प्रतिबंधित हैं दुपहिया वाहन

करंट क्राइम। अपर पुलिस उपायुक्त यातायात पीयूष सिंह ने बताया- दुर्घटना के समय स्कूटी चालक यश ने हेलमेट पहना हुआ था, लेकिन मां ने हेलमेट नहीं लगा रखा था। इस एक्सप्रेस-वे पर दुपहिया वाहनों का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके अलावा कार रॉन्ग साइड से आ रही थी। इस वजह से ये हादसा हुआ है।

सपा और कांग्रेस महानगर अध्यक्ष बोले कोर्ट का फैसला लोकतंत्र बचाने वाला

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा यूपी सरकार सुप्रीम कोर्ट में रखेगी पक्ष

गाजियाबाद, करंट क्राइम : कांवड़ यात्रा के दौरान मार्ग में आने वाले होटलों, दुकानों, रेस्टोरेंट के बाहर उनके मालिकों का नाम यानी नेम प्लेट लिखे जाने का मामला उत्तर प्रदेश की सियासत और कांवड़ यात्रा में इन दिनों सबसे हॉट टॉपिक बना हुआ है। इस मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा है की दुकान वालों को किसी प्रकार का नाम लिखने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह बात अवश्य कही है कि इन लोगों को यह आवश्यक लिखना होगा कि यह शाकाहारी परोस रहे हैं या मांसाहारी। इस विषय पर समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने इसे संविधान और लोकतंत्र बचाने वाला ऐतिहासिक फैसला बताया है। तो कांग्रेस पार्टी के महानगर अध्यक्ष विजय चौधरी का कहना है कि इस विषय पर उत्तर प्रदेश सरकार का जो प्लान था, वह फेल हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने देश हित में बहुत अच्छा फैसला सुनाया है। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने इसे अब राजनीतिक विषय ना मानते, हुए कोर्ट का फैसला बताया है। वहीं उन्होंने टिप्पणी करने से इंकार करते हुए कहा है कि अब सुप्रीम कोर्ट में उत्तर प्रदेश की सरकार अपना पक्ष रखेगी।

विजय चौधरी ने कहा कांग्रेस पार्टी मोहब्बत पर विश्वास रखती है, नफरत पर नहीं। उन्होंने कहा है कि दुकानों पर नाम लिखने से केवल माहौल ही बिगड़ने का काम होता।

यह सुप्रीम कोर्ट का विषय है अब राजनीतिक टिप्पणी ठीक नहीं : सुनील शर्मा

करंट क्राइम : उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का कहना है कि दुकान वाले नेम प्लेट लगाएं या ना लगे इस विषय पर अब टिप्पणी करना ठीक नहीं है। यह सुप्रीम कोर्ट का फैसला है। उन्होंने कहा कि हालांकि इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार जल्द ही सुप्रीम कोर्ट के सामने अपना पक्ष रखेगी कि उसने यह आदेश क्यों और किस वजह से दिया था।

भाईचारा बिगड़ने वाले फैसले पर आया संविधान में लोकतंत्र बचाने वाला निर्णय : वीरेंद्र यादव

करंट क्राइम : समाजवादी पार्टी के महान अध्यक्ष वीरेंद्र यादव का कहना है कि उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी वाली सरकार ने हरिद्वार से गंगाजल लाने वाले श्रद्धालुओं के रास्तों पर दुकानदारों व ठेली वालों के नेम प्लेट लगाने के लिए जो आदेश दिया था, उसे देश की सर्वोच्च अदालत ने खारिज कर दिया है। यह नफरत फैलाने वाला और भाईचारा बिगड़ने वाला फैसला था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है यह है ऐतिहासिक फैसला है। इससे संविधान व लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी। साथ ही उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय की सराहना करते हुए न्यायाधीश को भी ऐसा आदेश देने के लिए बधाई दी है।

कांग्रेस मोहब्बत की बात करती है नफरत की नहीं : विजय चौधरी

करंट क्राइम : कांग्रेस पार्टी के महानगर अध्यक्ष विजय चौधरी का कहना है कि जिस तरीके से उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री ने फैसला लिया था, उसे सुप्रीम कोर्ट ने गलत साबित करते हुए सही निर्णय सर्वोच्च न्यायालय देने का काम किया है। विजय चौधरी ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी मोहब्बत पर विश्वास रखती है, नफरत पर नहीं। उन्होंने कहा है कि दुकानों पर नाम लिखने से केवल माहौल ही बिगड़ने का काम होता।

बोले नदियापार के पार्षद - जिन्होंने प्रभावित किया है चुनाव, उन पर हो कार्रवाई

उदयवीर सिंह

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम की कार्यकारिणी के 6 सदस्यों के चुनाव को लेकर शुक्रवार को जिस तरह के बीजेपी के बीच कलह उजागर हुई। यह शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। हर कोई यह जानना चाह रहा है कि कलह का कारण क्या था। बताया जा रहा है कि बीजेपी के सीनियर नेता और पार्षद राजीव शर्मा चाहते थे कि कार्यकारिणी में चार सदस्य के बजाय 5 सदस्यों को बीजेपी मैदान में उतारे।

***दैनिक करंट क्राइम** ने इस विषय पर हिंडन पार के पांच भाजपा पार्षदों से बात की। अधिकतर ने यही कहा कि जिनकी वजह से चुनावी प्रक्रिया बाधित हुई है, उन पर संगठन को कार्यवाही करनी चाहिए।*

बताया जा रहा है कि बीजेपी के सीनियर नेता और पार्षद राजीव शर्मा चाहते थे कि कार्यकारिणी में चार सदस्य के बजाय 5 सदस्यों को बीजेपी मैदान में उतारे।

संगठन ने जो पैनल तैयार किया था उसी पर होता चुनाव: शिल्पा चौधरी

वसुंधरा वार्ड 61 की पार्षद शिल्पा चौधरी ने कहा संगठन ने जो चार नाम तय किए थे इस पर पार्षदों को बात रखनी थी। चुनाव निरस्त की मोबत नहीं आती, यदि संगठन का आदेश मानकर सभी पार्षद अपना पक्ष रखते तो उसी दिन हो जाता कार्य करने का चुनाव।

जिन लोगों ने पार्टी का विरोध किया, उन पर हो कार्रवाई : धीरज अग्रवाल

इंदिरापुरम वार्ड 81 के पार्षद धीरज अग्रवाल ने कार्यकारिणी चुनाव निरस्त होने पर कहा कि जिन लोगों ने संगठन की बात का मान नही रखा। उन पर कार्यवाही होनी चाहिए, उन्होंने कहा कि 100 पार्षदों का समय व सरकारी पैसे की बबार्दी हुई है। इसमें संगठन ने जो पैनल तैयार किया था, उसी पर चुनाव होना चाहिए था।

चुनाव समिति समय पर नहीं करा पाई चुनाव: हिमांशु चौधरी

साहिबाबाद गांव वार्ड 40 के पार्षद हिमांशु चौधरी ने बताया कि कार्यकारिणी के चुनाव निरस्त होने का मुख्य कारण चुनाव समिति है। चुनाव समिति समय ने समय पर चुनाव नहीं कराया 11:00 का समय था। 11:20 पर कार्यवाही शुरू हुई उसके बाद लंच हो गया, उसके बाद हंगामा की भेंट चढ़ गई।

संगठन ने जो चार नाम का पैनल तय किया वही होता मान्य : राधेश्याम त्यागी

इंदिरापुरम के वार्ड 57 के पार्षद राधेश्याम त्यागी ने बताया कि संगठन ने जो पैनल तैयार किया था, उसी पर चुनाव होना था। भाजपा के पार्षदों के कारण ही चुनाव नहीं हुआ, उन्होंने बताया समय रहते ही उनको बैठा लिया जाता तो कार्यकरणी का चुनाव हो जाता। लेकिन कुछ पार्षदों में नहीं मानी संगठन की बात। जिस कारण नही हुआ चुनाव।

"भाजपा के पार्षदों के कारण ही चुनाव नहीं हुआ, समय रहते ही उनको बैठा लिया जाता तो कार्यकरणी का चुनाव हो जाता।

व्यापारियों के हंगामा की भेंट चढ़ा कार्यकारिणी का चुनाव: राजकुमार भाटी

वैशाली वार्ड 89 के पार्षद राजकुमार भाटी ने कहा कि कार्यकरणी का चुनाव समय पर ही हो जाता, लेकिन व्यापारियों के हंगामे के कारण यह चुनाव नहीं हो पाया। कुछ पार्षदों का मत था, कि नए लोग कार्यकारिणी में क्यों आ रहे हैं। पुराने भी आने चाहिए इसी कारण थोड़ा विलंब हुआ। लेकिन कार्यकारणी चुनाव का निरस्त होने का कारण यही है, कि व्यापार में हंगामा किया जिस कारण सदन बाधित हुआ।

कांवड़ रूट की दुकानों पर नेमप्लेट जरूरी नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार का फैसला रोका

कहा यह बताएं भोजन शाकाहारी है या मांसाहारी

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ यात्रा रूट पर दुकानदारों को अपनी पहचान बताने को लेकर कई राज्य सरकारों के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने सोमवार, 22 जुलाई को कहा कि दुकानदारों को पहचान बताने की जरूरत नहीं है। होटल चलाने वाले यह बता सकते हैं कि वह किस तरह का खाना यानी, शाकाहारी या मांसाहारी परोस रहे हैं। लेकिन उन्हें अपना नाम लिखने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

अदालत ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया है। उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी कर शुक्रवार तक जवाब देने को कहा है। तीनों राज्यों में कांवड़ यात्रा के रूट पर दुकान मालिकों को अपना नाम लिखने का आदेश दिया गया था। इसके खिलाफ एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स नाम के ठग्रह्ड ने 20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

याचिकाकर्ता के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि अल्पसंख्यकों की पहचान के जरिए उनका आर्थिक बहिष्कार किया जा रहा है। यह चिंताजनक है। सुप्रीम कोर्ट में मामले पर 26 जुलाई को अगली सुनवाई होगी।

यूपी में नाम लिखने का आदेश दो स्तर से जारी हुआ- पुलिस और यूपी सरकार

पुलिसः 17 जुलाई को मुजफ्फरनगर के एसएसपी अभिषेक सिंह ने कहा कि जिले के करीब 240 किमी एरिया में कांवड़ मार्ग पड़ता है। सभी होटल, ढाबा, दुकान और ठेले, जहां से कांवड़िए खाने का सामान खरीद सकते हैं, सभी को अपनी दुकान के बाहर मालिक का नाम और नंबर साफ अक्षरों में लिखना पड़ेगा।

ऐसा करना इसलिए जरूरी था, ताकि कांवड़ियों में कोई कन्फ्यूजन न रहे और कानून व्यवस्था में बाधा न आए। सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए ये कदम उठाना जरूरी था।सरकारः मुजफ्फरनगर पुलिस का आदेश सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद 19 जुलाई को सरकार ने इसे पूरे राज्य में लागू कर दिया। सरकार के मुताबिक, कांवड़ियों की शुचिता बनाए रखने के लिए ये फैसला लिया गया है। हलाल सर्टिफिकेशन वाले प्रोडक्ट बेचने वालों पर भी कार्रवाई होगी।यूपी के बाद एमपी के उज्जैन और उत्तराखंड में आदेश जारी हुए यूपी के बाद 20 जुलाई को उत्तराखंड और मध्य प्रदेश के उज्जैन में भी कांवड़ यात्रा रूट पर आने वाली दुकानों में दुकानदारों का नाम और मोबाइल नंबर लिखना जरूरी कर दिया गया था। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इस फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि कुछ लोग अपनी पहचान छिपाकर दुकान खोलते हैं।

उज्जैन में नगर निगम यह आदेश एक साल पहले ही दे चुका था। हालांकि, इस पर अमल नहीं हो रहा था। उज्जैन के मेयर मुकेश टटवाल ने कहा था कि इस बार सावन के महीने में आदेश पर सख्ती से अमल करवाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी बोले हर परियोजना के लिए एक अलग नोडल अधिकारी नियुक्त करें

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर आजमगढ़ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कलक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों को लेकर मंडलीय समीक्षा बैठक की। बैठक में आजमगढ़ जनपद के अधिकारी और मंडल के जनप्रतिनधि शामिल रहे। जबकि, अन्य जनपदों के अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि अफसर परियोजनाओं की समीक्षा हर 15 दिन में स्वयं करें। इसके साथ ही मंडल के तीनों जिलों आजमगढ़, बलिया और मऊ के कानून-व्यवस्था की भी अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने राजस्व, कानून और बिजली व्यवस्था और गोशालाओं से संबंधित जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री योगी ने हरिहर में निमार्णाधीन संगीत महाविद्यालय का भी निरीक्षण किया। लोकसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री का जिले में पहली बार आगमन हुआ। सीएम योगी ने शासन की जनहित एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध तरीके से गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं की नियमित रूप से निगरानी की जाए। हर परियोजना के लिए एक अलग नोडल अधिकारी नियुक्त करें, जो हर सप्ताह प्रगति की रिपोर्ट दे। वरिष्ठ अधिकारी हर 15 दिन पर परियोजनाओं की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए। गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। कोई परियोजना लेट नहीं होनी चाहिए। जाम की समस्या नहीं होने पाए, सड़क पर गाड़ियां खड़ी नहीं हों, पटरी व्यवसायियों को भी व्यवस्थित किया जाए। मुख्यमंत्री ने सगड़ी तहसील के देवरा क्षेत्र में बहने वाली घाघरा नदी के जलस्तर की जानकारी ली। उन्होंने बाढ़ को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए। साथ ही तैयारियों के बारे में जानकारी ली। इसके अलावा सीएम योगी ने कानून व्यवस्था को लेकर भी समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि अपराधियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। हर प्रकार के माफिया पर सख्त कार्रवाई की जाए।

विश्वामित्र तपोभूमि तीर्थ स्थल पर वाटर कूलर की स्थापना

गाजियाबाद करंट क्राइम। विश्वामित्र तपोभूमि तीर्थ स्थल पर उत्थान समिति की सदस्य रीना अबी द्वारा वाटर कूलर लगवाया गया । इस नेक कार्य में उत्थान समिति के डायरेक्टर जनरल अरुण त्यागी ने भी सहयोग देकर यहाँ पर अन्य सुविधाएँ उपलब्ध करवाई हैं ।

इस अवसर पर उत्थान समिति के चेयरमैन सत्येन्द्र सिंह द्वारा रीना अबी एवं अरुण त्यागी का आभार व्यक्त किया गया तथा कहा इससे इस तीर्थ स्थल पर आने वाले तीर्थ यात्रियों को काफी सहूलियत हो जाएगी तथा इस नेक कार्य के लिए उत्थान समिति व विश्वामित्र तपो भूमि के सभी सदस्य रीना अबी का हृदय से धन्यवाद करते है व रीना जी के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रभु से प्रार्थना करते है।

'राज्य सरकार नहीं दे सकती किसी पड़ोसी मुल्क के लोगों को शरण

ममता के बयान पर बरसे बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पड़ोसी देश बांग्लादेश को शरण देने की बात कही थी। उनके इस बयान के बाद अब भारतीय जनता पार्टी के नेता रविशंकर प्रसाद ने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, यह अधिकार भारत सरकार का है, राज्य सरकार का नहीं। रविशंकर प्रसाद ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आगे कहा, 'ममता बनर्जी ने कल कहा था कि बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा है, वह अपने दरवाजे खुले रखेंगी और किसी को भी पश्चिम बंगाल में प्रवेश नहीं करने देंगी। ममता जी, आप वही व्यक्ति हैं जिन्होंने सीएए के बारे में कहा था कि हम हिंसा से पीड़ित किसी भी हिंदू, सिख, पारसी या ईसाई शरणार्थी को बंगाल में प्रवेश नहीं करने देंगे।

क्या संविधान में आपका अधिकार है?

ममता जी ने हमेशा सीएए का विरोध किया है, जबकि सीएए का भारत के नागरिकों से कोई संबंध नहीं है, चाहे वे हिंदू हों या मुस्लिम। उन्होंने ये भी कहा, 'ममता जी, अखिलेश यादव और राहुल गांधी संविधान की बात करते रहते हैं। क्या संविधान में आपका अधिकार है? यह अधिकार भारत सरकार का है। यह अधिकार राज्य सरकार का नहीं है।'

बीजेपी नेता ने ये भी कहा कि यह बांग्लादेश का आंतरिक मामला है और हम अनुरोध करते हैं कि इस मामले को सुलझाया जाए। हमें इसमें नहीं पढ़ना है। अगर एक मुख्यमंत्री घोषणा करता है तो इसका क्या मतलब है? क्या आप भारत की एकता को तोड़ना चाहते हैं? ममता जी मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आपका इससे क्या मतलब है। बंगाल रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, रवीन्द्रनाथ टैगोर और सुभाष चन्द्र बोस जैसे लोगों की जननी है।

'आपके रिश्तेदार की मदद करने के लिए हम हैं तैयार'

दरअसल पड़ोसी देश में चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा था कि उनकी सरकार बांग्लादेश से शरण चाहने वाले लोगों को आश्रय देगी। सीएम बनर्जी ने कहा था, 'अगर आपके परिवार का कोई सदस्य या रिश्तेदार काम या पढ़ाई के लिए बांग्लादेश में है तो चिंता न करें। हम बदले में उनकी मदद करने के लिए तैयार हैं।'

डॉ0 केएन मोदी ग्लोबल स्कूल के बच्चों ने किया गांव का भ्रमण

मोदीनगर करंट क्राइम। डॉ0 केएन मोदी ग्लोबल स्कूल के बच्चों को ग्राम किल्हौडा का भ्रमण कराया गया। जिसका उद्देश्य जल जमाव और उससे होने वाली बीमारियों की रोकथाम का सर्वे करना था। सर्वे में विद्यार्थियों द्वारा गांव का निरीक्षण किया गया और देखा गया कि कहीं पर गंदा पानी तो एकत्र नहीं है। गंदे पानी की निकासी के लिए क्या व्यवस्था है, विद्यार्थियों द्वारा गांव के लोगों को गंदे पानी से होने वाली बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया, डायरिया आदि से बचाव व उनसे होने वाली दिक्कैतों से अवगत कराया। ग्रामीण भी जल के विषय में इतनी सारी जानकारी प्राप्त कर बच्चों की प्रशंसा करते नजर आयें। ग्रामीणों का कहना था, कि इस तरह के सर्वे गांव में होते रहना चाहिए, जिससे सभी विभिन्न समस्याओं के प्रति जागरूक हो। विद्यार्थियों ने गांव के सहकारी समिति व पीएनबी बैंक का भी भ्रमण किया। गांव के प्रधान द्वारा सभी विद्यार्थियों की हौसला अफजाई की तथा जानकारी दी गई कि वर्षा के जल का संचयन क्यों और किस प्रकार करना चाहिए तथा वर्षा के जल को उपयोग लायक बनाने के उपाय भी बताए गये। धानाचार्य सीके राणा व उपप्रधानाचार्य पूजा शर्मा ने सभी गतिविधियों का निरीक्षण कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

ज्ञान स्थली कॉलेज के चेयरमैन ने छात्र को कहें जाति सूचक शब्द, आडियो वायरल

दलितों को कॉलेज में प्रवेश न करने के लिए

● कॉलेज पर बोर्ड चस्पा करने की बात कही

मोदीनगर करंट क्राइम। एक नीजी शिक्षण संस्थान के चेयरमैन द्वारा एक दलित छात्र को फोन पर जमकर हड़काने ओर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुये दलित छात्रों के कॉलिज में प्रवेश पर प्रतिबंध लगायें जाने का मामला प्रकाश में आया है। चेयरमैन का दलित छात्र को हड़काने का यह ओडियों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल होने से दलित समाल के लोगों में आक्रोश पनप गया ओर वह एकजुट हो वह भोजपुर थाने पंहुचे और चेयरमैन के विरूद्व रिपोर्ट दर्ज कराकर कॉलिज की मान्यता भी रद्द करायें जाने की मांग की।

मामला भोजपुर थानान्तर्गत हापुड़ रोड स्थित एक शिक्षण संस्थान से जुड़ा है। संस्थान के चेयरमैन का एक आडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। जिसमें आरोप है कि संस्थान के चेयरमैन एक दलित छात्र को जाति सूचक शब्द बोलते हुए सुनाई दे रहे हैं, और दलित समाज को कॉलेज में एडमिशन न देने की बात कर रहे हैं।

ऑडियो में छात्र को बहुत बुरा भला कहा जा रहा है, साथ ही पूरे दलित समाज को बुरा भला कहते हुए आवाज सुनाई दे रही है। मामला इतना हाईलाइट हुआ की, सोमवार को दलित समाज के सैकड़ों लोग एकजुट हो भोजपुर थाने पहुंच गए, और जमकर नारेबाजी करते हुये चेयरमैन पर कानूनी कार्रवाही करने की मांग की।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुये मामले में जिला पंचायत सदस्य अनिल गौतम की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर चेयरमैन के विरूद्व भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 352 व एससीएसटी की धारा में रिपोर्ट दर्ज करते हुये मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रदर्शनकारियों में विनोद गौतम, अनिल गौतम, मोहित गोतम सहित सैकडों लोग मौजूद रहें।

शिशु भारती के भैया बहनों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम हुआ संपन्न

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र में स्थित लाल बहादुर शास्त्री सरस्वती शिशु एवं विद्या मंदिर में शिशु भारती के भैया बहनों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। शपथ ग्रहण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अरविंद भारतीय द्वारा मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। शिशु भारती के पदाधिकारी को शपथ दिलाने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में अरविंद भारतीय कोषाध्यक्ष लीलावती रामगोपाल सरस्वती विद्या मंदिर गंग नहर मुरादनगर उपस्थित रहे। समारोह में सबसे पहले 6 पदाधिकारी अध्यक्ष मंत्री एवं सेनापति एवं उनके सहायक ने शपथ ग्रहण की उसके बाद विभाग प्रमुखों ने बारी-बारी से शपथ ली। इस अवसर पर बोलते हुए अरविंद भारतीय ने कहा कि हमें अपने दायित्वों का ईमानदारी एवं श्रद्धापूर्वक निर्वाह करना चाहिए, इसके साथ-साथ उन्होंने सभी भैया बहनों को अपना आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव राजपूत ने शपथ ग्रहण करने वाले सभी भैया बहनों को अपनी ओर से उनके नवीन दायित्व संभालने के लिए शुभकामनाएं दीं एवं आगंतुक अतिथि का आभार एवं धन्यवाद व्यापित किया।

सावन सोमवार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सावन के पहले सोमवार के अवसर पर शहर के प्राचीन दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर में हजारों की संख्या में शिव भक्तों ने भोले बाबा का जलाभिषेक किया। इस दौरान महंत नारायण गिरी ने बाबा का विशेष पूजन और श्रृंगार भी किया। सुबह से लेकर रात तक जलाभिषेक करने वालों की दूधेश्वरनाथ मंदिर में कतारें लगी रही। इस दौरान सुरक्षा के लिहाज से बड़ी संख्या में पुलिस बल और वॉलिंटियर्स को तैनात किए गए थे।

शहीद भगत सिंह सेवा दल की तरफ से शिव भक्तों के लिए निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहीद भगत सिंह सेवा दल द्वारा उत्तर प्रदेश सीमा पर बनी प्रथम चौकी सीमा थाना साहिबाबाद पर कांवड़ यात्रा करने वाले श्रद्धालु भक्तों के लिए इमरजेंसी में निःशुल्क एंबुलेंस की व्यवस्था की गई। अध्यक्ष रमनदीप वालिया ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन चौकी प्रभारी जादोन ने नारियल फोड़ कर किया। इस विशेष कार्यक्रम में पद्मश्री सरदार जितेंद्र सिंह शंटी एवं शहीद भगत सिंह सेवादल साहिबाबाद के अध्यक्ष सरदार कवलजीत सिंह, लाजपतनगर साहिबाबाद के अध्यक्ष सरदार रमनदीप वालिया, गाजियाबाद के अध्यक्ष सरदार जगमित सिंह, गाजियाबाद के संयोजक गगन अरोड़ा, पवन कक्कड़, दर्शन सिंह, राजू, हरसिमरन, राजा, गगन, उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 153 अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

देहरादून। देहरादून स्थित मुख्य सेवक सदन में सोमवार को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सीएम पुष्कर सिंह धामी ने 153 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। सीएम धामी ने उत्तराखंड लोक सेवा आयोग द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत असिस्टेंट प्रोफेसर एवं शहरी विकास विभाग के अधिशासी अधिकारी कर व राजस्व निरीक्षकों के लिए आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। सीएम ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं और बधाईयां दी। उन्होंने अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी लोग अपनी लगन और निष्ठा से उत्तराखंड के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम हरेन्द्र कुमार से बदलकर हरेन्द्र पाण्डेय कर लिया है। भविष्य में मुझे सभी कार्यो हेतु हरेन्द्र पाण्डेय पुत्र राम नरेश पाण्डेय, पता : जी- 633, गोविंदपुरम, गाजियाबाद के नाम से जाना जाये।

बिहार में गिरते पुलों को लेकर विपक्षी नेताओं का हल्ला बोल

पटना। बिहार में लगातार गिरते पुलों को लेकर राजद सहित अन्य विपक्षी दलों ने सोमवार को बीजेपी के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। राजद विधायक मुकेश रोशन ने पोस्टर लेकर बिहार सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने अपने पोस्टर में लिखा पुल गिरे तो गिरे, लेकिन सरकार नहीं गिरनी चाहिए। उन्होंने कहा, प्रदेश में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। इस सरकार को जनता के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। मुकेश रोशन ने कहा, मैं कोई कटाक्ष नहीं कर रहा हूं। मैं अपने पोस्टर के माध्यम से राज्य सरकार की सच्चाई बयां करने की कोशिश कर रहा हूं कि पुल गिरे तो गिरे, लेकिन सरकार नहीं गिरनी चाहिए।

निविदा सूचना

पत्र संख्या- भ-03/2024 दिनांक 22 जुलाई, 2024

टास्कफोर्स 47 पीएसी गाजियाबाद में वित्तीय वर्ष 2024-25 में मानक मद-29 अनुरक्षण (वार्षिक मरम्मत) के अन्तर्गत आवासीय / अनावासीय भवनों तथा वाहिनी की बाउन्ड्रीवाल की मरम्मत सहित कुल 13 कार्य (जिसके लिए रू 9,95,000/- के आगणन दिये गये हैं) कराये जाने हेतु सील बन्द निविदायें दिनांक 29-7-2024 को 12 :00 बजे तक आमंत्रित की जाती है :-

सेनानायक
22 टॉस्कफोर्स 47वीं
पीएसी गाजियाबाद।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली।। मंगलवार 23 जुलाई-2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

फूड की दुकान पर नाम लिखने को बताया लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने पूरी तरह वैध

कहा मामले को दिया गया सामप्रदायिक मोड जबकि यह पहले से है एक लीगल रूल

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मुजफ्फरनगर से शुरू हुआ मामला सियासी गलियारों में गूंजा और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने कावंड यात्रा में पड़ने वाली सभी ढाबों, फल की दुकानों पर उनके संचालकों के नाम लिखने को सही नहीं माना और इसके बाद कोर्ट ने फैसला दिया। इस पूरे मामले को लेकर दैनिक करंट क्राइम ने उत्तर प्रदेश के पूर्व खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री तथा वर्तमान में गाजियाबाद लोकसभा सांसद अतुल गर्ग से बात की। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट सिर माथे पर है। उसका सम्मान है लेकिन लोकतंत्र में अपनी बात रखने का भी एक विधान है। अतुल गर्ग ने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश सरकार में खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री रहा हूं और मुझे मंत्री रहने के साथ बहुत से कानूनों का पता है और मैं यह जानता हूं कि नाम लिखने की जो बात हो रही है वह कानूनन सही है और यह अनिवार्य भी है। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है क्योंकि नियम और कानून के मुताबिक कोई भी व्यक्ति खाद्य सामग्री बेचता है तो उसे नियमअनुसार फूड लाईसेंस लेना होता है। इसके लिए बकायदा विभाग का गठन किया गया है और यदि किसी विक्रेता के पास फूड लाईसेंस नहीं है तो फिर उसका बिक्री करना गैरकानूनी श्रेणी में आता है। फूड लाईसेंस पर ही मालिक का नाम होता है उसकी पूरी पहचान होती है उसका पूरा पता होता है। लोकसभा सांसद ने कहा कि मेरी राय में इस मामले को कानूनी ढंग से प्रदर्शित करने की बजाय इसे अलग अलग ताकतों द्वारा सामप्रदायिक रंग दिया गया और मेरा निजी तौर पर मानना है कि सुप्रीम कोर्ट में भी ठीक से पक्ष रखना चाहिए था। खाद्य सामग्री की दुकान पर उसके मालिक का नाम होना सामप्रदायिक नहीं बल्कि कानूनी है। इसका कावंड़ यात्रा से कोई लेना देना नहीं है। नियम और कानून ये है कि जो भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का खाद्य पदार्थ बेचेगा उसके लिए वह जिम्मेदार होता है। हलवाई की दूकान पर फूड लाईसेंस होता है। जूस बेचने वाले के पास भी फूड लाईसेंस होता है। तो फिर सरकार ने अगर पहचान की बात कह दी तो इसमें सामप्रदायिकता वाली कौन सी बात आ गई। यह तो कानून के अनुसार फूड लाईसेंस के अनुसार मालिक का नाम होना जरूरी है इसमें कोई हर्ज नहीं है। सिर्फ इस कानून को गलत तरीके से प्रदर्शित करते हुए सामप्रदायिक रंग दिया गया है। जो भी व्यक्ति फूड कारोबार कर रहा है उसे फूड लाईसेंस लेना जरूरी है और यह लाईसेंस कारोबार करने वाले स्थान पर लगाया जाना जरूरी है। यहां पर सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करता हूं। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय हमारे सिर माथे पर है। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार में खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री होने के नाते मुझे भलीभांति पता है कि किसी भी प्रकार का खाद्य पदार्थ बेचने वाले को फूड लाईसेंस लेना अनिर्वाय है और लाईसेंस पर ही बेचने वाले कारोबार करने वाले का पूरा नाम और पहचान होती है इसमें कुछ भी गलत नहीं है। खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत फूड लाईसेंस होल्डर का नाम पता लिखा होना जरूरी होता है।

सुप्रीम कोर्ट का निर्णय हमारे सिर माथे पर है। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार में खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री होने के नाते मुझे भलीभांति पता है कि किसी भी प्रकार का खाद्य पदार्थ बेचने वाले को फूड लाईसेंस लेना अनिर्वाय है और लाईसेंस पर ही बेचने वाले कारोबार करने वाले का पूरा नाम और पहचान होती है इसमें कुछ भी गलत नहीं है। -अतुल गर्ग

पांच रुपए के बिस्कु ट पर है ब्यौरा लेकिन पचास रुपए के फल पर मच गया ढ़िढौरा

करंट क्राइम। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि कानून सबके लिए एक है और कानून को संप्रदाय से जोड़ा जाना गलत है। उन्होंने कहा कि चाहे पारले जी का बिस्कुट हो या पतंजलि का बिस्कुट हो उस पांच रुपए के बिस्कुट के पैकेट पर भी बिस्कुट में प्रयोग की खाद्य सामग्री, उसकी मात्रा, निमार्ता का नाम, कंपनी का पता लिखा रहता है। पूरा ब्यौरा रहता है। अगर इस पर ब्यौरा है तो फिर पचास रुपए के फल पर, पचास रुपए के भोजन पर ब्यौरा मांगने पर इतना ढ़िढौरा मच रहा है। यह देश का सामान्य कानून है। मुझे लगता है जो लोग इस पर हंगामा कर रहे हैं उन्हें शायद देश के प्रदेश के फूड कानून को पढ़ना चाहिए। नाम उजागर करने में कोई दिक्कत नहीं है। अगर बिल्डर भी फ्लैट बनाता है तो रेरा के कागजों में उसकी पूरी पहचान होती है, पूरा ब्यौरा होता है। बिना लाईसेंस के खाने पीने का सामान बेचा ही नहीं जा सकता है।

नेपाल में हर दुकान पर लिखा मिलेगा प्रोपराईटर का नाम

करंट क्राइम। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि पड़ोसी देश नेपाल में यदि आप देखें तो वहां हर दुकान पर प्रोपराईटर का नाम लिखा रहता है। वहां कोई हंगामा नहीं मचता और लोग अपनी पहचान बताने को लेकर उग्र नहीं होते। उन्होंने कहा कि यह खाद्य सुरक्षा नीति से जुड़ा मामला था और इसे कावंड़ यात्रा से जोड़कर एक वर्ग विशेष से जोड़ा गया। यह ठीक नहीं है। देश के नागरिकों को इस बात का पूरा अधिकार है कि वह दाम चुकाकर जो भी खाद्य सामग्री ले रहे हैं उसके बारे में उन्हें पूरी जानकारी होनी चाहिए। उन्हें यह पता होना चाहिए कि जिससे समान ले रहे हैं उसके पास फूड लाईसेंस है या नहीं।

मुजफ्फरनगर के बाद मोदीनगर कांवड़ मार्ग पर दुकानों के बाहर लिखे गए मालिकों के नाम

क्या सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हटेंगे अब नेम प्लेट वाले बोर्ड

मोदीनगर, करंट क्राइम : मुजफ्फरनगर से शुरू हुआ कांवड़ मार्ग पर होटल और खाने-पीने की दुकानों पर नेम प्लेट लगाने का मामला धीरे-धीरे पश्चिम के अन्य जिलों में भी बढ़ना शुरू हो गया है। सोमवार को मोदीनगर में आधा दर्जन से अधिक दुकानदारों ने अपने होटल, दुकानों और खोखों पर अपना नाम लिखना शुरू कर दिया है। सोमवार को कांवड़ यात्रा मार्ग पर बने होटल और दुकान वालों पर पुलिस ने अभियान चला कर 24 घंटे के अंदर नाम, रेट लिस्ट और नंबर लिखने की हिदायत दी थी। बता दें की सावन मास में पश्चिम उत्तर प्रदेश में बड़े स्तर पर कांवड़ यात्रा का संचालन होता है। कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों शिव भक्त अलग-अलग स्थानों से गंगाजल लेकर आते हैं और डाक कांवड़ व पैदल कांवड़ के रूप में अपने घर वापसी करते हैं। इसके साथ ही सावन शिवरात्रि पर जलाभिषेक कार्यक्रम होता है। कांवड़ मार्ग की इस लंबी यात्रा के दौरान शिव भक्त अलग-अलग स्थानों पर रुकते हैं, खाना खाते हैं और विश्राम करते हैं। बीते दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुकानदारों को अपना नाम लिखने का आदेश दिया था। हालांकि सोमवार को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए इस पर नाराजगी जाहिर की है।

पुलिस ने कहा लिखना होगा खाना शाकाहारी या मांसाहारी

करंट क्राइम। इस मामले में स्थानीय थाना पुलिस ने संबंधित दुकानदारों को संपर्क कर निर्देश दिया है कि वह अपनी दुकानों पर यह भी अवश्य लिखें कि वहां खाना शाकाहारी मिलता है या मांसाहारी। बता दें कि वैसे स्थानीय नगर निगम और पुलिस में मांस बेचने वाली दुकानों पर एक महीने की रोक लगा दी है।

फल वाले ने लिखा दीन मोहम्मद और सपना रेस्टोरेंट पर जगदीश प्रसाद गोस्वामी

करंट क्राइम। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर मोदीनगर क्षेत्र में 100 से अधिक होटल, ढाबे और खाने-पीने की दुकानें हैं। इसके अलावा सैकड़ो लोग ठेली पर फल और सामान बेचने का काम करते हैं। जल लेने के लिए शिव भक्तों का अभी जाने का सिलसिला शुरू हो गया है और यह आने वाले दिनों में और तेज हो जाएगा। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर फल विक्रेता दीन मोहम्मद ने अपना नाम लिख लिया है। तो वहीं सपना रेस्टोरेंट पर जगदीश प्रसाद गोस्वामी लिखा गया है। इसी के साथ सलीम, सुनील कुमार सहित अन्य ठेले वालों ने भी नाम लिखकर पोस्ट लगा दिए हैं। वहीं कई और होटल संचालक ने भी अपना नाम लिखा है।

- बार एसोसीएशन सचिव पद घमासान-

सचिव पद पर पूर्व सचिव चाहते हैं चुनाव, तो कार्यकारी अध्यक्ष चाहती हैं घोषित हो नाम

गाजियाबाद, करंट क्राइम । बार एसोसिएशन गाजियाबाद में वर्ष 2024-25 के लिए हुए सचिव पद के चुनाव को लेकर लगातार घमासान वाली स्थिति बनी हुई है। 19 जुलाई को हुए मतदान के बाद 6 राउंड की रिकाउंटिंग के बाद भी सचिव पद के लिए नाम को लेकर सहमति नहीं बनी है। वहीं 19 जुलाई को मतदान होने के बावजूद अभी तक सचिव पद पर नाम घोषित नहीं हो पाया है। उधर बता दें कि सचिव पद में हरेंद्र कुमार एडवोकेट को 892, अमित नेहरा को 891 और वरुण त्यागी को 753 वोट मिले थे। बार एसोसिएशन गाजियाबाद की कार्यकारी अध्यक्ष मृदुला राय त्यागी का कहना है कि मतों के लिहाज से हरेंद्र कुमार गौतम को सचिव विजय घोषित किया जाना चाहिए लेकिन सचिव पद पर पुनः मतदान कराया जाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा है कि चुनाव समिति ने जो निर्णय लिया था उसे अब बदला जा रहा है। उधर इस मामले में बार एसोसिएशन गाजियाबाद के सचिव स्नेह कुमार त्यागी 25 जुलाई को दोबारा चुनाव कराने के पक्ष में नजर आ रहे हैं और उन्होंने इलाको लेकर लैटर भी जारी कर दिया है।

स्नेह त्यागी

मृदुला राय त्यागी

अमित नेहरा

हरेंद्र गौतम

वरुण त्यागी

सचिव ने कहा पुन : होना चाहिए मतदान

करंट क्राइम । बार एसोसिएशन गाजियाबाद के सचिव चुनाव संयोजक स्नेह त्यागी ने कहा है कि 25 तारीख को पुन: मतदान होना चाहिए। साथ ही उन्होंने मृदुला राय त्यागी को लेकर प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। जिसमें कहा है कि उन्होंने सचिव पद को लेकर हुए परिणाम, फर्जी मतदान और मतों से अधिक मतपत्र मिलने का मामला बताया था। उसके बावजूद भी उन्हें भ्रमित करते हुए हरेंद्र गौतम को सचिव घोषित करने पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की है। साथ ही उन्होंने कहा है कि एडवोकेट एक्ट के अनुसार वैधानिक कार्य मृदुला राय त्यागी द्वारा किया गया है। जिसके चलते हरेंद्र कुमार गौतम को कारण बताओ नोटिस किया जाएगा। साथ ही अगर लापरवाही और मिली तो प्राथमिक सदस्यता भी निरस्त की जाएगी। फिलहाल सचिव पद को लेकर बार में रार वाला सीन बना हुआ है।

कमेटी में थे सात वरिष्ठ अधिवक्ता व पदाधिकारी

करंट क्राइम । बार एसोसिएशन गाजियाबाद के सचिव स्नेह त्यागी ने कहा है कि 2553 अवैध मत जारी किए गए थे। उन्हीं के आधार पर मतदान हुआ था। जिसकी उपयुक्त जानकारी सभी के पास थी। इस दौरान उन्होंने जानकारी दी है कि राम अवतार गुप्ता, फतेह चंद्र गोयल, सुभाष चंद्र सक्सेना, विजयपाल लाठी, बृजकिशोर गुप्ता, स्नेह कुमार त्यागी चुनाव संयोजक व सचिव मृदुला राय त्यागी कार्यकारी अध्यक्ष की सभी को सचिव पद के लिए हुए चुनाव और पूरे कार्यक्रम की जानकारी उपलब्ध थी।

माननीय मुख्यमंत्री जी भविष्य में पेड़ों के पत्ते कौन उठाएगा इसकी भी जिम्मेदारी तय हो जाए : बालेश्वर त्यागी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मैं सोच रहा हूँ कि आज जो बड़े जोर शोर से वृक्षारोपण किया जा रहा है ,जब ये पेड़ बड़े हो जाएगें और इनसे पत्ते गिरेंगे उन्हें कौन उठाएगा ? आप सोच रहे होंगे कि आज मैं कैसी बात कर रहा हूँ? मेरे विचारों पर बुखार की गर्मी का असर नहीं है । बल्कि ये हकीकत में एक समस्या है जो मुझे चिंतित कर रही है।

लगभग एक वर्ष पहले महर्षि दयानन्द विद्यापीठ में एक व्यक्ति एक नगर निगम कर्मी के साथ आया। इत्तेफाक से मैं भी वहां बैठा था। उस व्यक्ति ने बताया कि मैंने नगर निगम से कूड़ा उठाने और कूड़ा चार्ज वसूलने का ठेका लिया है। उंसने मुझे कूड़ा उठाने की जो शर्ते बताई ,वह भी चौंकाने वाली थीं लेकिन उन सब की चर्चा फिर कभी बाद में करूंगा ,आज अपनी बात पेड़ के पत्तों तक सीमित रखता हूँ। उंसने कहा कि आपने विद्यालय में जो पेड़ लगा रखे हैं ,उनसे जो पत्ते गिरते हैं ,हम उन्हें कूड़े में नहीं

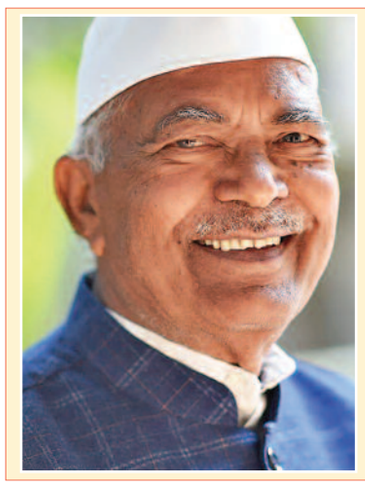

एक सरकार ,उंसके अलग अलग विभाग और उनके अलग अलग निर्देश कोई सामंजस्य की भी तो व्यवस्था बननी चाहिए थी। एक पेड़ लगाने को कह रहा है ,दूसरा कह रहा है कि आपने पेड़ लगाया है, इसलिए इसके पत्तों को भी उठाने का जिम्मा आप पर है।

उठाएंगे ? मैंने पूछा कि फिर उनको कौन उठाएगा ? उंसने कहा कि इसकी व्यवस्था स्वयं विद्यालय को अपने से करनी है। हमारे एग्रीमेंट में उन्हें उठाने की व्यवस्था से हमने अपने जिम्मे नहीं ली है। मतलब साफ है कि उन पत्तों से कम्पोस्ट खाद बनाने का काम विद्यालय को स्वयं अपने संसाधनों से करना है।अब स्कूलों को पढ़ाई के साथ साथ कम्पोस्ट खाद का कारखाना भी लगाना है। क्योंकि जब जीडीए स्कूलों को प्लाट आबंटित करता है तभी वह स्कूलों को निर्धारित संख्या में वृक्ष लगाने का निर्देश देता है। एक सरकार ,उंसके अलग अलग विभाग और उनके अलग अलग निर्देश कोई सामंजस्य की भी तो व्यवस्था बननी चाहिए थी। एक पेड़ लगाने को कह रहा है ,दूसरा कह रहा है कि आपने पेड़ लगाया है ,इसलिए इसके पत्तों को भी उठाने का जिम्मा आप पर है।

माननीय मुख्य मंत्री जी , पुलिस कमिश्नरेट ,नगर निगम ,वन विभाग ,उद्यान विभाग सभी वृक्षारोपण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्राणपण से जुटे हैं। इस व्यस्तता में मेरा अनुरोध है कि भविष्य में इन पेड़ों के पत्ते कौन उठाएगा ये भी निर्णय हो जाय तो कम से कम एक निश्चिंतता तो हो जाय। कम से कम कूड़ा उठाने वाले ठेकेदार की धमकी से तो भी मुक्त हो जांय।

हर-हर महादेव

अभिनंदन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सावन के पहले सोमवार के अवसर पर जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह अपनी पत्नी के साथ शहर के प्राचीन शिव मंदिर दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर पहुंचे इस दौरान उन्होने पूजा अर्चना की और महंत नारायण गिरि से मुलाकात कर आर्शीवाद लिया। सावन का पहला सोमवार होने के चलते मंदिर में बड़ी संख्या में श्रृद्धालु पहुंचे , सोमवार के चलते मंदिर में बडी संख्या में पुलिस बल की भी तैनाती की गई थी। इस मौके पर पूर्व पार्षद जाकिर सैफी व एसीपी ऑफिस प्रिया श्रीपाल उपस्थित रही ।

संपादकीय

सर्वर डाउन के सबक

कंप्यूटर की अचानक ब्लू होती स्क्रीन ने बीते शुक्रवार को हमें उस खतरे का आईना भर दिखाया, जिसके बारे में हम अनजान बने हुए थे। माइक्रोसॉफ्ट की सर्विस क्या ठप हुई, ऐसा लगने लगा कि किसी ने दुनिया से उसकी रफ्तार ही छीन ली हो। इस घटना से बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ। जरूरत है इससे सबक सीखने की ताकि फिर ऐसे हालात न बनें।

गलती किसकी : समस्या की वजह था साइबर सिक्योरिटी फर्म क्राउडस्ट्राइक का एक अपडेट। इस फर्म की सर्विस माइक्रोसॉफ्ट समेत तमाम बड़ी कंपनियां और ऑर्गनाइजेशन लेते हैं। क्राउडस्ट्राइक ने साइबर अटैक से निपटने के लिए एक सॉफ्टवेयर डिजाइन किया था, लेकिन इसमें कुछ गड़बड़ी हो गई। जब यह सॉफ्टवेयर अपडेट हुआ, तो सिस्टम क्रैश होने लगे, कंप्यूटर की स्क्रीन ब्लू दिखने लगी। इस गड़बड़ी का असर बैंकिंग और आईटी सेक्टर से लेकर एविएशन तक पर पड़ा। तमाम उड़ानें रद्द हो गईं और कई कंपनियों में काम ठप हो गया।

जिम्मेदारी तय हो : इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या क्राउडस्ट्राइक ने अपने नए अपडेट का सही से टेस्ट किया था? एक रिपोर्ट बताती है कि सॉफ्टवेयर अपडेट रात के समय लोगों के पास अपने आप चला गया था। ऐसे में सुबह जब काम शुरू हुआ, तो सिस्टम बैठने लगे। कंपनी ने अपनी गलती मान ली है, लेकिन क्या इतने से यह गारंटी मिल जाती है कि भविष्य में ऐसी घटना नहीं होगी? बात केवल एक क्राउडस्ट्राइक की नहीं है। हमें ऐसी पॉलिसी चाहिए, जो जवाबदेही तय करती हो।

मजबूरियां उजागर : अभी तक ऐसी सिचुएशन हमने हॉलिवुड फिल्मों में ही देखी थी, जहां कोई विलेन एक सिस्टम के जरिये पूरे देश की व्यवस्था को हिला देता है। माइक्रोसॉफ्ट आउटेज ने उस स्क्रिप्ट को हकीकत में ला दिया। साथ ही, इससे जाहिर हुआ कि हमारी तैयारी कितनी अधूरी है।

ऐसी किसी परिस्थिति के लिए हमारे पास बैकअप प्लान ही नहीं था। एक-एक करके विभिन्न सेवाएं ठप होती जा रही थीं और किसी को कुछ सूझ नहीं रहा था। दिल्ली-ठउफमें कई प्राइवेट अस्पतालों की सर्विस तक पर असर पड़ा। गनीमत रही कि कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। क्या हम यह जोखिम उठा सकते हैं कि किसी कंपनी का कोई अपडेट विश्व को यूं बंधक बना ले? यह भी गौर करने वाली बात है कि अगर किसी टेक्नॉलजी पर एक कंपनी का एकाधिकार होगा, तो यह आशंका बनी रहेगी कि उसकी कोई एक गलती सभी को खतरे में डाल दे।

भविष्य की तैयारी : नेटवर्क का जाल जैसे-जैसे घना होता जाएगा, वैसे-वैसे इस तरह के खतरे भी बढ़ेंगे। जिन सेक्टर में इंटरनेट का काम नहीं, वे इस शुक्रवार को भी बेपरवाह चलते रहे। हालांकि इसका यह कतई मतलब नहीं है कि टेक्नॉलजी से दूरी बना ली जाए। तकनीक तरक्की के लिए है, लेकिन इससे जुड़े सभी पहलुओं की जानकारी और तैयारी होनी चाहिए। नेटवर्क के अपने फायदे हैं, लेकिन साथ में जोखिम भी, जिससे हम अभी-अभी गुजरे हैं। इस जोखिम को कम से कमतर करने के उपाय की जरूरत है

भारत की जीडीपी विकास दर 2024-25 में 6.5 से 7 प्रतिशत रहने का अनुमान : आर्थिक सर्वेक्षण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से सोमवार को पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण में अनुमान जताया गया कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत से लेकर 7 प्रतिशत के बीच रह सकती है, जो दिखाता है कि चालू वित्त वर्ष में भी भारत की अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन अच्छा रहेगा। सर्वेक्षण में बताया गया कि अप्रैल में वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक के मुताबिक, 2023 में वैश्विक आर्थिक विकास दर 3.2 प्रतिशत रही है। यह दुनिया के अन्य देशों की अर्थव्यवस्था की स्थिति को दिखाता है। सर्वेक्षण में कहा गया, चालू वित्त वर्ष में जीडीपी 6.5 प्रतिशत से लेकर 7 प्रतिशत बढ़ सकती है। इसमें

जोखिम को समायोजित किया गया है। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखा गया कि बाजार इससे अधिक अनुमान की उम्मीद रखता है। चालू वित्त वर्ष में मजबूत जीडीपी विकास दर की वजह सामान्य मानसून के कारण कृषि क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव और गुड्स सर्विस टैक्स (जीएसटी) और भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता कोड (आईबीसी) जैसे सुधारों से अर्थव्यवस्था पर पड़े सकारात्मक परिणाम को माना गया है। सर्वे के नोट में कहा गया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के मुकाबले भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति मजबूत बनी हुई है और कोरोना के बाद आई रिकवरी को अर्थव्यवस्था ने कंसोलिडेट किया है। अर्थव्यवस्था को सहारा मजबूत घरेलू फैक्टर्स मिल रहा है। वित्त वर्ष में रियल जीडीपी 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। सर्वेक्षण में कहा गया कि भारत में विकास व्यापक स्तर पर दिखा है। बेरोजगारी दर और बहुआयामी गरीबी दर में कमी आई है। इसके साथ ही काम करने वाले लोगों की संख्या में इजाफा हुआ है। वित्त वर्ष 2024 में वैश्विक स्तर पर वस्तुओं की मांग कमजोर रही, हालांकि सेवाओं की मांग इस दौरान मजबूत रही। वित्त वर्ष 2024 में चालू व्यापारिक घाटा जीडीपी का 0.7 प्रतिशत रहा है, जो कि वित्त वर्ष 23 में 2.0 प्रतिशत था।

बजट से पहले विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार में निवेश किए 44,344 करोड़ रुपये

मुंबई। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफपीआई) भारतीय शेयर बाजार में लगातार निवेश कर रहे हैं। इस महीने की शुरूआत से (19 जुलाई तक) करीब 44,344 करोड़ रुपये का निवेश एफपीआई द्वारा इक्विटी और डेब्ट में किया जा चुका है। बाजार के जानकारों का मानना है कि एफपीआई नियमित तौर पर खरीदारी कर रहे हैं और हाल के समय में इस ट्रेंड में बढ़ोतरी देखने को मिली है। एफपीआई की ओर से इक्विटी में 30,771 करोड़ रुपये और डेब्ट में 13,573 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। विदेशी निवेशकों की ओर से खरीदारी ऑटो, कैपिटल गुड्स, हेल्थकेयर, आईटी, टेलीकॉम और ऑयल एंड गैस शेयरों में की गई है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार का कहना है कि इस ट्रेंड में एक चौंकाने वाली बात यह है कि फाइनेंसियल सर्विसेज शेयरों में खरीदारी न के बराबर

देखने को मिल रही है। इसी कारण से जुलाई में अब तक फाइनेंसियल शेयरों का प्रदर्शन खराब रहा है। हाल में डॉलर और बॉन्ड यील्ड में आई गिरावट इस बात की ओर इशारा कर रही है कि एफपीआई की खरीदारी जारी रहेगी। एक्सपर्ट्स ने कहा कि घरेलू और विदेशी निवेशकों की निगाहें 23 जुलाई को आने वाले बजट पर है। अगर इसमें कैपिटल गेन टैक्स को लेकर कुछ राहत दी जाती है तो यह बाजार के लिए काफी अच्छा होगा। वित्त वर्ष 24 में इक्विटी और डेब्ट में कुल 2,82,338 करोड़ रुपये का पूंजी प्रवाह आया है। विदेशी पूंजी प्रवाह में बढ़ोतरी की वजह कैपिटल मार्केट में सकारात्मक माहौल और केंद्र सरकार की ओर से सुधार को आगे बढ़ाने को लेकर दी गई गारंटी है। फिलहाल सभी की निगाहें प्रस्तावित बजट पर है।

मोदी 3.0 के पहले आम बजट से लोगों की क्या हैं अपेक्षाएं

सोलन (हिमाचल प्रदेश)। संसद में मंगलवार को आम बजट पेश किया जाएगा। देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करेंगी। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का यह पहला बजट है। आने वाले बजट पर पूरे देश की नजरें हैं। हिमाचल प्रदेश के सोलन शहर के कुछ निवासियों ने इस बजट को लेकर अपनी उम्मीदें जाहिर की हैं। बजट को लेकर खिलाड़ी सेजल ने कहा कि सरकार जो बजट बना रही है, उसमें खिलाड़ियों के लिए वित्तीय प्रावधान होना चाहिए। कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी आर्थिक समस्याओं के कारण खेलों का खर्च नहीं उठा पाते हैं। इस वजह से बहुत सारी प्रतिभाएं छूट जाती हैं। इसलिए खिलाड़ियों के लिए वित्तीय प्रावधान जरूरी है और खिलाड़ियों के जीतने पर नौकरी का प्रावधान भी होना चाहिए। शहरवासी मुकेश शर्मा ने कहा कि आम लोगों के लिए वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में भारी वृद्धि को कम किया जाना चाहिए। ब्याज दर भी बहुत अधिक है। टैक्स स्लैब में नरमी होनी चाहिए। इससे करदाता को राहत मिलेगी। देश में बेरोजगारी दर बढ़ी है, इसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार के लिए फंड बनाया जाना चाहिए। मनीष साहनी ने कहा कि देश में जिस तेजी से महंगाई बढ़ रही है, उसके हिसाब से टैक्स में कोई राहत नहीं दी गई है। वेतनभोगी लोगों को टैक्स में छूट मिलनी चाहिए। इस समय देश में नौकरियां बहुत कम हैं। इसके लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) के तहत देश में कई जगह फैक्ट्रियां लगाई जानी चाहिए ताकि नौकरियां पैदा हों। देश में रिसर्च सेंटर के लिए फंड लाया जाना चाहिए, तभी कहीं जाकर देश आगे बढ़ेगा। मुकेश गुप्ता ने कहा कि 65 वर्ष की आयु के बाद वेतनभोगी लोगों को उनके द्वारा चुकाए गए आयकर के अनुसार पेंशन मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को पर्यावरण को बचाने और प्रदूषण को कम करने के लिए प्रावधान में अधिक धनराशि उपलब्ध करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी को सरल बनाना और उनमें बदलाव करना जरूरी है। वहीं एक व्यापारी ने कहा कि व्यापारी सरकार को आयकर और जीएसटी देते हैं। व्यापारियों के लिए एक निश्चित आयु के बाद पेंशन या बीमा योजना शुरू की जानी चाहिए, ताकि व्यापारी बुढ़ापे में गुजारा कर सकें।

बड़ी गिरावट के साथ खुला शेयर बाजार, ऑटो और आईटी शेयरों में बिकवाली

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ खुला। बाजार में चौतरफा गिरावट देखी जा रही है। सुबह 9:20 तक सेंसेक्स 361 अंक या 0.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,243 और निफ्टी 138 अंक या 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,392 पर था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर भी रुझान नकारात्मक बना हुआ है। 1719 शेयर लाल निशान में और 385 शेयर हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। छोटे और मझोले शेयरों में भी बिकवाली का रुझान देखा जा रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 209 अंक या 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 55,780 और निफ़्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 94 अंक या 0.51 प्रतिशत के दबाव के साथ 18,285 पर बना हुआ है। सेंसेक्स पैक में अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, एनटीपीसी, नेस्ले, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, आईटीसी और टीसीएस टॉप गेनर्स हैं। विप्रो, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस, एलएंडटी, जेएसडब्ल्यू स्टील और आईसीआईसीआई बैंक टॉप लूजर्स हैं। सेक्टर के हिसाब से देखें तो ऑटो, आईटी, फिन सर्विस, रियल्टी, एनर्जी,

इन्फ्रा और प्राइवेट बैंक में बिकवाली है। पीएसयू बैंक, फार्मा और पीएसई इंडेक्स पर दबाव देखने को मिल रहा है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के रिटेल रिसर्च प्रमुख दीपक जसानी का कहना है कि इस हफ्ते बजट और वैश्विक कारणों के चलते बाजार में उठापटक रह सकती है। निफ्टी के लिए 24,854 एक रुकावट का स्तर है। वहीं, 24087-24344 का स्तर निफ्टी के लिए एक मजबूत सपोर्ट के रूप में काम करेगा। एशिया के ज्यादातर बाजारों में गिरावट देखी जा रही है।

राशिफल

मेष : व्यावसायिक दृष्टि से आज का समय अच्छा है। सब कुछ अपनी सामान्य गति से काम करेगा। नौकरीपेशा जातकों के लिए नए अवसर प्राप्त करने का उत्तम समय है।

वृष : आज ऑफिस में आपकी तरक्की का दिन है। बॉस को कोई काम बहुत पसंद आ सकता है। आपके वेतन वृद्धि की बात हो सकती है, जिससे आप काफी खुश रहेंगे।

मिथुन : व्यापार और नौकरी में परिवार का सहयोग मिलेगा. कार्यक्षेत्र में सोच-समझकर बोलें। तरक्की के रास्ते खुलेंगे। व्यापार में लाभ के योग हैं।

कर्क : यह समय आपके लिए शुभ नहीं है। भाई-बहनों के साथ विवाद भी पारिवारिक जीवन में अस्थिरता पैदा कर सकता है। प्रेम संबंध यथावत रहेंगे।

सिंह : आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। आपको अपने काम के महत्व को समझने की जरूरत है। आज जो काम ज्यादा जरूरी है, उसे आज ही पूरा करें।

कन्या : नौकरी और व्यवसाय के फैसले भावनाओं के आधार पर न लें। विवाद का सामना करना पड़ सकता है। कोई पुराना विवाद सामने आ सकता है।

तुला : आज का दिन काफी विवादास्पद साबित हो सकता है। आपको अपने वरिष्ठों की उपेक्षा का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। व्यापार में अच्छा लाभ मिलेगा। करियर में सब कुछ अच्छा रहेगा।

धनु : नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. अगर आपका खुद का कोई बिजनेस है तो उस पर पूरा ध्यान दिया जाएगा। व्यापार और काम से जुड़ी परेशानियां खत्म होंगी।

मकर : नौकरी या काम से जुड़े कई नए विकल्प आपको मिल सकते हैं. हालाँकि, आपको जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचना चाहिए।

कुंभ : आज आप अपने रिश्तों को अधिक महत्व देंगे. परिवार में खुशियां आएंगी। आपको सबका सहयोग मिलेगा। काम समय पर पूरा हो जाएगा। बच्चों की पढ़ाई ठीक रहेगी।

मीन : आज आपको अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए। अनियमित दिनचर्या से आलस्य और थकान हो सकती है। कुछ छोटे कार्यों में परेशानी होगी।

चुटकुले

आज की जनरेशन
कल मैंने अपने एक दोस्त से पूछा :- कि तुम कितने बजे सोते हो ?
तो उसका जबाब था : जब मोबाइल की बैटरी 5% रह जाती है।

जीवन में इतनी सम्पाती का क्या करोगे?
ऐसा बताने वाले बाबा एक प्रबचन का 2 लाख मांगते है।

आज के जमाने में बिजली विभाग ही एकलौता ऐसा विभाग है जो शुद्ध माल सप्लाई कर रहा है
अगर यकीन नहीं है तो
बिजली की तार से हाथ लगा कर देखलो।

मुझे ज्यादा चाहत नहीं है ऊपर वाले
बस मुझे उतना दे देना
जितना विजय मालिया ले कर भागा है।

रोचक तथ्यों का करंट

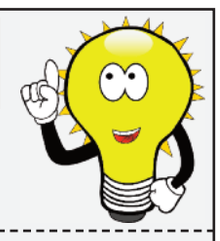

- अंडे का पीला भाग उन खाने वाले पदार्थों में से एक है जो की विटामिन डी का प्राकृतिक स्रोत हैं।
- एक अंडे को प्रोड्यूस यानि उत्पन्न करने में मुर्गी को 24 से 26 घण्टों तक का समय लगता है, और जैसे-जैसे मुर्गी वयस्क होती जाती है, वह बड़े अंडे प्रोड्यूस करने लगती है।
- एक मुर्गी प्रतिदिन अंडे को लगभग 50 बार उलटती पुलटती है ताकि अंडे का अंदारूमी पीला भाग किनारों से चिपके न।
- वैसे आपने कई रंगों के अंडे देखे होंगे। नीले, हरे और भूरे रंग के अंडे सभी सफेद रंग के अंडे की तुलना में अधिक यूनिक और रोचक होते हैं। अंडे के खोलों के रंगों में अंतर केवल आनुवंशिकी के कारण होता है।
- शुतुरमुर्ग के अंडे का ग्लोब, दुनिया का सबसे पुराना नक्शा हो सकता है, इस ऐग्ग ग्लोब पर साल 1504 की तारीख लिखी है।
- साल 1912 में, तीन आदमी अंटार्कटिका से एम्परर पेंगुइन के अंडे को खोजने निकल पड़े। जब वे वापस यूनाइटेड किंगडम लौटे तो, राष्ट्रिय इतिहास संग्रहालय ने अंडे को स्वीकार करने से मना कर दिया।

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606315 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, MoÜ 09899655497
Email: currentcrimenews@gmailÜcom
Website: wwwÜcurrentcrimeÜcom

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए।जी।एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

करंट क्राइम

परिवार की ओर से आपको
जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

23 07 2024

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

हिमेश रेशमिया
सिंगर एवं अभिनेता

अंजलि शर्मा

दीपा त्यागी

पूजा गुप्ता

जया छोकर

अरुणाभ सिंह

धीरज अग्रवाल

पारस मलिक

दीपक चौहान

नरेश कुमार

खलील अहमद

बिट्टू कसाना

चौ. अजहर अली

निशांत शर्मा

संजय चड्ढा

विजय कक्कड़

संजय सतिजा

कमलेश पांडेय

अमित चौहान

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

नेपाल के खिलाफ लागतार तीसरी जीत दर्ज करने उतरेगा भारत

दांबुला। महिला एशिया कप 2024 में भारत ग्रुप स्टेज में अपना तीसरा मैच नेपाल के खिलाफ मंगलवार (23 जुलाई) को खेला जाएगा। भारत इस मैच में लगातार तीसरी जीत दर्ज करने उतरेगा।

ग्रुप ए की अंक तालिका में टीम इंडिया चार अंक और +3.386 के नेट रनरेट के साथ शीर्ष पर है। छह अंक होते ही हरमनप्रीत कौर की टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी।

भारत ने पिछले दो मैच जीते

भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से और दूसरे मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 78 रन से हराया था। नेपाल अपने पहले मैच में अमीरात को हराने में सफल रहा था लेकिन दूसरे मैच में उसे पाकिस्तान से 9 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था। भारत का सेमीफाइनल में जगह बनाना तय लग रहा है जबकि पाकिस्तान ने पिछले मैच में बड़ी जीत दर्ज करके अपने रन रेट में काफी सुधार किया है।

भारतीय टीम का शीर्ष क्रम अच्छी फॉर्म में

भारतीय टीम हालांकि अन्य टीमों की स्थिति पर गौर करने के बजाय अपने विजय अभियान को जारी रखने पर ध्यान देगी। उसने अभी तक टूर्नामेंट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है जिसे वह जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध होगी। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी ने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की थी जबकि अमीरात के खिलाफ कप्तान हरमनप्रीत कौर और ऋचा घोष ने अर्धशतक जड़े थे।

यूएई के खिलाफ भारत ने बनाया रिकॉर्ड

विस्फोटक बल्लेबाज ऋचा घोष ने अमीरात के खिलाफ 29 गेंद पर 64 रन बनाए थे जिससे भारत महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहली बार 200 रन का आंकड़ा छूने में सफल रहा। हरमनप्रीत ने 47 गेंद पर 66 रन बनाकर सूत्रधार की भूमिका निभाई थी।

तनुजा कंवर का प्रभावशाली प्रदर्शन

जहां तक भारतीय गेंदबाजी का सवाल है तो रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। यहां तक कि पिछले मैच में चोटिल ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल की जगह टीम में शामिल की गई तनुजा कंवर ने भी अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई और चार ओवर में केवल 14 रन दिए और एक विकेट भी लिया।

नेपाल देना चाहेगा भारत को चुनौती

इंदु बर्मा की अगुआई वाली नेपाल की टीम ने अमीरात के खिलाफ जीत से अच्छी शुरूआत की थी लेकिन पाकिस्तान के सामने उसकी एक नहीं चली। अब उसकी टीम भारत की चुनौती से अच्छी तरह वाकिफ होगी और अगर उसे भारतीय टीम को परेशानी में डालना है तो उसकी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

कोच अमोल मजूमदार हर खिलाड़ी की ताकत को अच्छी तरह समझते हैं : स्नेह राणा

नई दिल्ली। भारत की ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर स्नेह राणा ने लंबे प्रारूप में टीम के शानदार प्रदर्शन में उनके योगदान के लिए मुख्य कोच अमोल मजूमदार की सराहना की है। स्नेह राणा ने कहा कि कोच अमोल मजूमदार टीम में जो सकारात्मकता का माहौल लाते हैं, वो अविश्वसनीय है। कोच हर खिलाड़ी को अच्छी तरह से जानते और समझते हैं। अक्टूबर 2023 में, मजूमदार ने भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच का पद संभाला और तब से टीम ने अब तक खेले गए सभी तीन टेस्ट मैच जीते हैं। नवी मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ, मुंबई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और हाल ही में चेन्नई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय महिला टीम ने टेस्ट मैच जीते। स्नेह ने आईएएनएस के साथ एक खास बातचीत में कहा, जब भी हम सर से बात करने जाते हैं, तो उनका खिलाड़ी पर बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वह एक ऐसे व्यक्ति हैं, जिनसे आप टीम में कभी

भी बात कर सकते हैं। अगर आपको कोई संदेह है, तो आप उनके पास जाकर अपनी बात शेयर कर सकते हैं। वह हर खिलाड़ी की ताकत जानते हैं। उन्हें पता है कि कैसे खिलाड़ियों को प्रेरित कर सकते हैं। वो हर खिलाड़ी को उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद करते हैं। चेन्नई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की जीत में 10 विकेट लेने वाली स्नेह ने टेस्ट मैचों में भारत की हालिया जीत के पीछे के कारणों पर विस्तार से बात की।

उन्होंने कहा, इस प्रारूप में खेलना एक खिलाड़ी के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण होता है। भारत में बहुत प्रतिभा है। इसलिए मुझे लगता है कि केवल गेंद के रंग में अंतर है, बाकी मानसिकता और कौशल एक जैसे होते हैं। आपको बस अपने धैर्य में थोड़ा बदलाव करना होगा।,टेस्ट क्रिकेट में आपके धैर्य की परीक्षा होती है। साथ ही, पिछले साल से बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेट कार्यक्रम समेत कई बदलाव किए हैं। इससे खिलाड़ी को यह भी पता चलता है कि उस स्तर पर प्रदर्शन कैसे करना है, साथ ही तीन या चार दिन क्रिकेट खेलने की तैयारी कैसे करनी है और उस मानसिकता को कैसे बनाना है। स्नेह ने कहा, मेरा मानना है कि टेस्ट क्रिकेट सबसे शानदार प्रारूप है। मैंने टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए इतने सालों तक इंतजार किया है। 2014 में भारतीय महिला टीम ने भारत में आखिरी टेस्ट मैच खेला था। लंबे अंतराल के बाद अब टेस्ट मैच हो रहे हैं। सभी उभरते क्रिकेटरों और जिन्होंने अभी-अभी खेलना शुरू किया है, उनके लिए मैं कहूंगी कि टेस्ट क्रिकेट अपने कौशल को दिखाने और सुधारने के लिए सबसे अच्छे प्रारूपों में से एक है। स्नेह राणा का मानना है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जैसे टूर्नामेंट महिला क्रिकेटरों को खेल के लंबे प्रारूप में खेलने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ सकते हैं जो रूट

पहुंचे दिग्गजों खिलाड़ियों के बराबर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि जो रूट भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का टेस्ट इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। रूट ने रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए दूसरे टेस्ट के चौथे दिन अपना 32वां टेस्ट शतक जड़ा था। इसके साथ ही रूट ने वेस्टइंडीज के शिवनारायण चंद्रपॉल को पीछे छोड़ा और टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले आठवें बल्लेबाज बन गए। इंग्लैंड ने इस मैच में वेस्टइंडीज को 241 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

रूट ने खेली शानदार पारी

नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में खेले गए इस मैच में रूट ने 178 गेंदों का सामना किया और 122 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 10 चौके निकले। अब 33 वर्षीय बल्लेबाज इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक टेस्ट शतक लगाने वाले एलिस्टर कुक (33 टेस्ट शतक) की बराबरी करने से एक शतक दूर हैं। उनके अलावा केन विलियमसन, स्टीव स्मिथ और स्टीव वॉ के नाम टेस्ट क्रिकेट में 32-32 शतक दर्ज हैं। अब रूट की नजर वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा के रिकॉर्ड पर नजर है। दरअसल, लारा के नाम टेस्ट क्रिकेट में 11953 रन दर्ज हैं। वहीं, रूट के नाम इस शतक के साथ 11940 रन हो गए हैं। उनके पास लारा को पीछे छोड़ने का सुनहरा मौका है।

रूट की शैली से प्रभावित हुए वॉन

वॉन रूट की शैली से भी काफी प्रभावित हुए उन्होंने कहा कि रूट ने शतक पूरा करने तक अपना ट्रेडमार्क रिवर्स स्कूप शॉट बखूबी तरीके से खेला। वॉन ने एक कॉलम में लिखा, रूट अगले कुछ महीनों में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। वह वाकई सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ सकते हैं। वे तेजी से रन बनाते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि उनका अहंकार हावी हो रहा है। वे बस अपनी समझ से खेल रहे हैं। रूट पारी संभालने के लिए काफी महत्वपूर्ण है और मुझे देखकर काफी अच्छा लगा कि शतक बनाने तक उन्होंने रिवर्स स्कूप शॉट खेला और इंग्लैंड की बढ़त काफी थी।

भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने किया संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान पीआर श्रीजेश ने सोमवार को संन्यास का ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि पेरिस ओलंपिक 2024 उनकी आखिरी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता होगी। पीआर श्रीजेश ने अपने करियर में 328 अंतर्राष्ट्रीय मैच समेत तीन ओलंपिक, कई राष्ट्रमंडल खेल, विश्व कप और कई अहम टूर्नामेंट खेले, जिनमें उन्होंने भारतीय टीम के लिए दमदार प्रदर्शन किया। श्रीजेश ने कहा कि वह आगामी पेरिस ओलंपिक के बाद अंतर्राष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लेंगे। श्रीजेश ने 2006 के दक्षिण एशियाई खेलों के दौरान भारत के लिए अपना अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया था। वह टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली हॉकी टीम के सदस्य थे। 41 साल बाद टोक्यो 2020 में पदक का सूखा समाप्त करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम की नजरें अब पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल पर है, जिसमें श्रीजेश एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। इस मौके पर श्रीजेश ने

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के जरिए अपने परिवार, साथी, कोच, फैंस और हॉकी इंडिया का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने टोक्यो 2020 में जीते गए मेडल को सपना सच होने जैसा बताया और कहा कि उनका संन्यास एक अध्याय का अंत और एक नए रोमांच की शुरूआत है। श्रीजेश 2022 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य भी रहे हैं, साथ ही उन्होंने चार मौकों पर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीती है और 2015 में एफआईएच हॉकी विश्व लीग फाइनल में कांस्य पदक जीता है। उन्हें 2021 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

बुमराह समेत सभी तेज गेंदबाजों के लिए वर्कलोड मैनेजमेंट अहम : गंभीर

मुंबई। गौतम गंभीर ने सोमवार को टीम इंडिया के नए मुख्य कोच के तौर पर अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने टीम के लिए अपना विजन पेश किया। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर बात की, जिसमें उन्होंने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए वर्कलोड मैनेजमेंट के महत्व पर बात की। गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैंने पहले भी कहा है कि जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी के लिए महत्वपूर्ण है कि उनका वर्कलोड कैसे मैनेज हो। वह एक ऐसे गेंदबाज हैं जिन्हें कोई भी अपने प्लेइंग-11 में रखना चाहेगा। आप चाहते हैं कि वह महत्वपूर्ण मैच खेलें।

इसलिए न केवल उनके लिए बल्कि तेज गेंदबाजों के लिए यह महत्वपूर्ण है। बुमराह ने भारतीय टीम के लिए बार-बार अपनी योग्यता साबित की है। 30 वर्षीय बुमराह ने काफी समय तक मैदान से बाहर रहकर बिताया और 2022 का अधिकांश समय वो बाहर रहे। वह 2022 टी20 विश्व कप से चूक गए, जहां भारत सेमीफाइनल में बाहर हो गया था और फिर मार्च 2023 में उनकी पीठ की सर्जरी हुई, जिसके कारण वह चार महीने मैदान से बाहर रहे। बुमराह ने अगस्त 2023 में भारत बनाम आयरलैंड सीरीज में वापसी की, जहां उन्होंने कप्तानी की शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने

2023 वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया और फिर टी20 विश्व कप जीतने के अभियान के दौरान ऐतिहासिक आंकड़े पेश किए। नए मुख्य कोच का मानना है कि तेज गेंदबाजों के लिए वर्कलोड मैनेजमेंट बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन बल्लेबाजों के लिए उनकी सोच थोड़ी अलग है। वो चाहते हैं कि खेल के सभी प्रारूपों के लिए मुख्य बल्लेबाज उपलब्ध रहें। उन्होंने कहा, यदि आप बल्लेबाज हैं, जो अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं तो आप सभी प्रारूपों में खेल सकते हैं। रोहित और विराट अब टी20 से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए वे अब से दो प्रारूप खेलेंगे। उम्मीद है कि वे अधिकांश मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

ओलंपिक के इतिहास के 10 वर्ल्ड रिकॉर्ड, जिनका पेरिस में भी टूटना होगा मुश्किल

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के साथ खेलों का महाकुंभ 26 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। भारत के 117 खिलाड़ी भी ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। पेरिस ओलंपिक की शुरूआत के साथ, उन ओलंपिक रिकॉर्ड पर भी नजर रहेगी, जिनका टूटना बहुत मुश्किल है। ओलंपिक के ऐसे ही 10 रिकॉर्ड पर नजर डालते हैं। वेनेजुएला की युलिमार रोजास ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में महिला ट्रिपल जंप प्रतियोगिता में 15.67 मीटर की जंप लगाकर ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने रियो में सिल्वर मेडल जीता था। टोक्यो ओलंपिक में उन्होंने तीन दशकों से कायम वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। नॉर्वे के तेज दौड़ धावक कार्स्टन वारहोम ने भी टोक्यो ओलंपिक में पुरुष 400 मीटर बाधा दौड़ प्रतियोगिता में 45.64 सेकंड का समय निकालकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। खास बात यह

रही कि इस प्रतियोगिता में वारहोम का समय बाकी 18 प्रतिभागियों से काफी बेहतर था। टोक्यो ओलंपिक 2020 में अमेरिका की सिडनी मैकलॉघलिन-लेव्रोन ने भी 400 मीटर बाधा दौड़ प्रतियोगिता में 51.46 सेकंड समय निकालकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। खास बात यह है कि सिडनी, ओलंपिक के बाद भी दो बार अपना रिकॉर्ड तोड़ चुकी हैं। लंदन ओलंपिक 2012 में केन्या के मध्यम दूरी के धावक डेविड रुडिशा ने पुरुषों की 800 मीटर दौड़ में 1:40.91 (1 मिनट 41 सेकंड) समय निकाल वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। यह प्रदर्शन आज तक बेजोड़ है। लंदन ओलंपिक 2012 में जमैका की टीम ने 4ग्100 मीटर रिले दौड़ में 36.84 सेकंड का समय निकालकर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उसैन बोल्ट इस चैंपियन टीम का हिस्सा थे। अमेरिका की फ्लोरेंस ग्रिफि थ जॉयनर उर्फ फ्लो-जो ने 1988 में सियोल में हुए ओलंपिक गेम्स में 200 मीटर रेस में जो वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, वह आज तक टूट नहीं सका है। फ्लो-जो ने 200 मीटर रेस में 21.34 सेकंड का समय निकाल इतिहास रच दिया था। अमेरिकी तैराक माइकल फेल्प्स ओलंपिक के इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में एक हैं। उनको सबसे महान ओलंपियन भी माना जाता है। उन्होंने बीजिंग ओलंपिक (2008) में इतिहास रच दिया, जब एक ही एथलीट के तौर पर सबसे ज्यादा पदक जीते। माइकल फेल्प्स ने इस खेलकुंभ में भाग ली गई सभी आठ स्पधाओं में स्वर्ण पदक जीतकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने इनमें से सात स्पधाओं में विश्व रिकॉर्ड भी ध्वस्त कर दिए। जमैका के उसैन बोल्ट भी सर्वकालिक महान ओलंपिक खिलाड़ियों में एक हैं, जिन्होंने बीजिंग ओलंपिक में पुरुष 100 मीटर दौड़ में 9.69 सेकंड का समय निकालकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। बोल्ट इस रेस में इतना आगे निकल गए थे, कि लाइन पार करने से पहले ही जश्न मनाने लगे थे। बोल्ट ने बाद में 2009 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। अमेरिका के लंबी कूद खिलाड़ी बॉब बीमॉन ने 1968 में मैक्सिको सिटी में हुए ओलंपिक गेम्स में 8.90 मीटर (29.2 फीट) की छलांग लगाते हुए वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया था। इस जंप ने उनको न केवल गोल्ड मेडल दिलाया, बल्कि वह तत्कालीन रिकॉर्ड से भी दो फीट आगे निकल गए थे। बीमॉन के इस रिकॉर्ड के नजदीक अब तक कोई नहीं पहुंच सका है। अमेरिका के तैराक कैलेब ड्रेसेल ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में पुरुषों की 100 मीटर बटरफ्लाई प्रतियोगिता में 49.45 सेकंड का समय निकाल वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया था। उन्होंने पिछला वर्ल्ड रिकॉर्ड 0.05 सेकंड के समय से तोड़ दिया।

झारखंड में 21 से 50 साल की 40 लाख महिलाओं को हर माह एक हजार की आर्थिक सहायता जल्द : हेमंत सोरेन

साहिबगंज। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने कहा है कि राज्य में 21 से 50 साल की 40 लाख महिलाओं को हर माह एक हजार की आर्थिक सहायता देने की योजना जल्द धरातल पर उतरेगी। लाभार्थियों के चयन और पहचान के लिए पूरे राज्य में कैंप लगाए जाएंगे। सोरेन ने साहिबगंज जिले के राजमहल में 34 योजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास एवं लाभार्थियों के बीच परिसंपत्ति वितरण के लिए आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए हमारी सरकार हरसंभव कदम उठा रही है। सीएम ने राजमहल में लगभग 86 करोड़ 84 लाख की 31 विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। 2.04 करोड़ की तीन योजनाओं का उद्घाटन किया।

उन्होंने राजमहल एवं बरहेट में आयोजित कार्यक्रमों में 10,141 लाभार्थियों के बीच 38.80 करोड़ रुपए से ज्यादा की परिसंपत्तियां वितरित की। उन्होंने साहिबगंज के बरहेट में 132/33 केवी ग्रिड सब-स्टेशन और पाकुड़-राजमहल के बीच 132 केवी की संचरण लाइन का उद्घाटन किया। बताया गया है कि 70.74 करोड़ की लागत से निर्मित पावर ग्रिड से कुल 80 हजार उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। सीएम ने इस मौके पर कहा कि साहिबगंज में गंगा के कटाव को रोकने की दिशा में सरकार आवश्यक कदम उठा रही है। राजमहल क्षेत्र में एक हवाई पट्टी और रोप-वे बनाने की योजना पर विचार

किया जा रहा है, ताकि पर्यटन के लिहाज से इसे अलग पहचान दिला सकें। इस मौके पर राजमहल के सांसद विजय कुमार हांसदा, विधायक अनंत ओझा, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद सीएम ने अनुमंडलीय अस्पताल, राजमहल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी, वार्ड, दवाई, चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों की उपलब्धता और उपस्थिति तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

टोक्यो से बहुत कुछ सीखा, पेरिस ओलंपिक में पहला फोकस पदक नहीं : मनिका बत्रा

- पेरिस ओलंपिक में 6 भारतीय पैडलरों की टीम उतरेगी जो किसी भी कीमत पर मेडल जीतना चाहेगी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में अब महज कुछ दिन बाकी हैं। चाहे खेल कोई भी हो, सभी भारतीय खिलाड़ी कड़ी मेहनत कर रहे हैं और उनकी नजर टोक्यो से भी बेहतर प्रदर्शन करने पर है। पेरिस ओलंपिक के नजदीक आने के साथ ही, स्टार भारतीय पैडलर मनिका बत्रा ने कहा कि उन्होंने टोक्यो ओलंपिक के अपने अनुभव से बहुत कुछ सीखा है और उनका फोकस पदक नहीं, बल्कि एक समय में एक मैच पर ध्यान केंद्रित करने पर होगा। भारत पेरिस 2024 में टेबल टेनिस की व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा दोनों में

प्रतिस्पर्धा करेगा। पेरिस ओलंपिक में 6 भारतीय पैडलरों की टीम उतरेगी जो किसी भी कीमत पर मेडल जीतना चाहेगी। खासकर मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला से काफी उम्मीदें हैं। 29 वर्षीय मनिका का मानना है कि भारत के पास 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले पेरिस ओलंपिक में टेबल टेनिस पदक जीतने का मौका है। मनिका ने अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के साथ एक साक्षात्कार के दौरान कहा, मैंने पिछले ओलंपिक से बहुत कुछ सीखा है और मैं उन गलतियों को दोबारा नहीं करने जा रही हूं। तब से मेरी मानसिकता बदल गई है। मेरा अंतिम लक्ष्य पदक के लिए चुनौती पेश करना है। लेकिन, मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ूंगी और पदक के बारे में सोचकर जल्दबाजी नहीं करूंगी। मैं अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी। भारत ने टेबल टेनिस में पहली बार क्वालीफाई किया, यह एक बड़ी उपलब्धि है। मुझे लगता है कि हमारे पास पदक जीतने का मौका है और हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए। जब मनिका ने ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता, तो वह भारतीय महिला टेबल टेनिस की ध्वजवाहक बनी। पिछले छह वर्षों में, कई और भारतीय महिला पैडलर्स ने विश्व मंच पर अपनी छाप छोड़ी है। भारत में महिला टेबल टेनिस के विकास के बारे में बोलते हुए, विश्व की 28वें नंबर की खिलाड़ी मनिका ने यूटीटी को इसका श्रेय दिया और कहा कि इसने युवा भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी सितारों के साथ खेलने का मौका देकर उन्हें काफी अवसर प्रदान किया है।

कांवड़ियों के लिए सभी सुविधाओं से लैस 185 शिविर लगाएगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। कांवड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सके, इसके लिए दिल्ली सरकार शहर भर में शिविर लगाने की तैयारी कर रही है। दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली भर में 185 शिविरों के जरिए कांवड़ियों के लिए सबसे बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही है। इस दिशा में । उन्होंने कहा कि सावन के पवित्र महीने में शिवभक्तों की सेवा में कोई कमी नहीं रहेगी। कांवड़ियों के लिए बेहतर सुविधा सुनिश्चित करने के लिए हर कदम उठाए जाएंगे। राजस्व मंत्री आतिशी ने दिल्ली के लोगों से अपील करते हुए कहा कि सरकार तो अपनी तैयारियां कर रही है, दिल्ली के लोग भी धर्म के इस कार्य में भाग लें, अपना सहयोग दें और जहां भी जरूरत हो कांवड़ियों की मदद करें। सावन के महीने की

हमारे शिविर हाई क्वालिटी वाटर प्रूफ टेंट, मेडिकल फैसिलिटीज, साफ-पानी, शौचालय, फर्नीचर सहित तमाम सुविधाओं से लैस होंग

शुरूआत हो गई है।

इस दौरान देशभर में खास तौर पर उत्तर भारत में कांवड़िए हरिद्वार से जल लेकर आते हैं। दिल्ली में इन कांवड़ियों के स्वागत के लिए केजरीवाल सरकार शहर भर में शिविर लगाती है और उसमें कांवड़ियों के लिए सबसे शानदार सुविधाएं सुनिश्चित की जाती हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में केजरीवाल सरकार इस साल 185 शिविर लगवा रही है। इनमें पूर्वी दिल्ली, उत्तरी पूर्वी दिल्ली व शाहदरा जिले में सबसे ज्यादा शिविर लगाए जा रहे हैं। ये जगह दिल्ली में कांवड़ियों के एंट्री-एग्जिट पॉइंट होते हैं, क्योंकि बड़ी संख्या में कांवड़ियों के आने के बाद भी भीड़ का आसानी से प्रबंधन हो सके।

सबसे ज्यादा 38 शिविर शाहदरा जिले में लगाए जा रहे हैं। उत्तरी पूर्वी, सेंट्रल और पूर्वी दिल्ली में 29, 22 व 19 शिविर लगाए जा रहे हैं। बता दें कि दिल्ली में कांवड़ियों का आगमन 25 जुलाई के बाद से होगा और अगले 2-3 दिन में सभी कांवड़ शिविर पूरी तरह तैयार होंगे। पूर्वी दिल्ली, उत्तरी पूर्वी दिल्ली व शाहदरा जिले में कांवड़ियों के एंट्री-एग्जिट पॉइंट होते हैं। ऐसे में इन तीनों जिलों में कांवड़ियों की सुविधा के लिए सबसे अधिक शिविर लगाए जा रहे हैं।

बंद पड़ी फैक्ट्री में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर हुआ राख

3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

मोदीनगर करंट क्राइम। मोदी कैसिंग्स एंड पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड, मोदी स्टील परिसर में देर रात एक बजे के आसपास भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर लाखों का सामान जलकर राख हो गया। दमकल की कई गाड़ियों ने तीन घटें में आग पर काबू पाया।

दिल्ली-मेरठ मार्ग पर मोदी कैसिंग्स एंड पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड मोदी स्टील फैक्ट्री स्थित है। फैक्ट्री काफी समय से बंद पड़ी हुई है। योगेश सिंह नामक व्यक्ति ने रविवार देर रात एक बजे सूचना दी। फैक्ट्री में रखें सामान में आग लग गई। फैक्ट्री में पैकेजिंग का काम किया जाता है। गत्ता व पॉलिथीन का प्रयोग होता है। देखते-देखते आग में विकराल रूप धारण कर लिया और ऊंची-ऊंची लपटे उठना शुरू हो गई। सूचना पर पंहुची दमकल की दो गाड़ियों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन कामयाब नही हुए। इसके बाद मुरादनगर से दमकल की और गाड़ी बनाई गई। 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। एफएसओ अमित कुमार ने बताया कि आग लगने से कोई हताहत नहीं हुआ है। फैक्ट्री आबादी से बाहर होने के कारण भी हादसा नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि फैक्ट्री की दीवार तोड़कर दमकल की गाड़ी अंदर गई और आग पर काबू पाया गया।

शिव भक्त कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र में पाइपलाइन मार्ग पर कांवड़ियो का आगमन शुरू हो गया है। चुंगी नम्बर तीन पर पहुंचने पर कांवड़िओं का पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। सोमवार को हल्की बारिश होने के चलते कांवड़ियों ने राहत की सास ली। गंगनहर पटरी से होते हुए पाइपलाइन मार्ग पर कांवड़ियों का एक जत्था पहुंचा। परशुराम सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद मिश्रा ने स्थानीय लोगों के साथ कांवड़ियों को पुष्प वर्षा करके स्वागत किया।

कांवड़ यात्रा पर मांसाहार की दुकान व होटलों को कराया बंद

मुरादनगर(करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र में कांवड़ यात्रा मार्ग सहित नगर की सभी मांसाहार की दुकान व होटलों को बंद करा दिया गया है। इसके अलावा शराब के ठेके को भी टेंट से ढका गया है। एसीपी मंसूरी नरेश कुमार ने बताया कि सोमवार से सावन माह की शुरूआत हो गई है, इसलिए कांवड यात्रा रूट व नगर की सभी मीट ,मछली की दुकानों को बंद करने का आदेश दिया गया है।

सावन के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

हर-हर महादेव की गूंज से माहौल हुआ भक्तिमय

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। शिव की आराधना का महीना सावन सोमवार से शुरू हो चुका है, सबसे बड़ी बात यह है कि इस बार महीने की शुरूआत ही सोमवार से हो रही है जो बड़ा ही शुभ संयोग बना रहा है। सावन के पहले सोमवार को लेकर शिवभक्तों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। शिवालयों में पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़, हर हर महादेव की गूंज से भक्तिमय हुआ। दिनभर साहिबाबाद के मंदिर और शिवालय भगवान भोलेनाथ के जयकारों से गूंजते रहे।

सुरक्षा के किए गए व्यापक इंतजाम

पहले सोमवार को मंदिरों में भारी भीड़ उमड़ने को देखते हुए पुलिस द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पुरारी पप्पू पंडित ने बताया कि इस वर्ष सावन का पवित्र महीना 22 जुलाई से 19 अगस्त तक रहेगा। सावन में भगवान शिव और चंद्र देव का महीना माना जाता है। वैसे तो सावन का पूरा महीना ही शुभ है, लेकिन इसमें सोमवार का महत्व अधिक है। इस बार सावन की शुरूआत और समापन दोनों सोमवार के दिन हो रहे हैं। इस बार सावन में सोमवार भी पांच आएंगे। सावन में शिवजी की कृपा ज्यादा मिलेगी।

वो गर्वनर होकर मंत्री बन सकती हैं तो ये मेयर होकर विधायक क्यों नहीं

शहर वालों के यहां विधानसभा वाला खटोला खाली हुया है और पूरा भगवा टोला इस पर विराजमान होने के लिये फुल्ली गतिमान हो चुका है। हाईकमान वालों की कमान से तीर अभी निकलना बाकी है लेकिन दावेदारी के सारे वीर यहां टिकट की जंग लड़ रहे हैं। दावेदारी भी अखबारी चल रही है और दरबारी सूत्र बता रहे हैं कि तुसी मुसी वालों का गेम फिनिश मानकर मत चलों भले ही तिलक तराजू के बीच ही फाईट होनी हैं। जलवा जिनका हैं वो कह रहें हैं कि भले ही उपचुनाव हैं लेकिन इतना भी हलवा नही हैं कि इसें चींटे खा जायेगें। टिकट की होप और स्कोप के बीच आशा की किरण उनके नाम पर भी हैं। कहने वाले ने कहा कि अगर ध्वजप्रणाम वालों ने उनका नाम रख दिया तो फिर निगम और लोकसभा वालों से ये नाम कटेगा नही। बताया गया कि पूर्व होने से कोई फर्क नही पड़ता है। बेबी रानी भी तो गर्वनर रही हैं और गर्वनर से पूर्व होते ही उन्हे अभूतपूर्व तरीके से यूपी कैबिनेट में जगह मिली हैं। फूल वालें कह रहे हैं कि जो रूल बेबी के लिये वो ही रूल आशा के लिये भी कर लो। सारे प्रयोग कर के देख लिये एक बार ये प्रयोग भी कर के देख लो। आफटर ऑल स्वच्छता का सबसे बड़ा अवार्ड उनके नाम हैं। वो मूल भाजपाई हैं भी,मेंबर से मेयर और अब विधायक का सफर वो अपनी टीआरपी के दम पर तय कर ही सकती हैं। जो रूल उनके लिये वो ही रूल इनके लिये।

वो लठ भूल कर फूल वालों के यहां चले गये आप तूल की बात कर रहे हो

बाबा ने ढाबा वालों को नाम पहचान लिखने का रूल बना दिया। रहने को तो देश में सूली वाले भी हैं और वाहे गुरू वाले भी हैं लेकिन ढाबा रूल से डायरेक्ट सियासी इफेक्ट का सीन काबा वालों पर ज्यादा पड़ा हैं। हाथ टू साईकिल इस मुददे पर इतनी किलकिल नहीं मच रही हैं लेकिन सरकार में शामिल हुये हैंडपंप पार्टी के मुखिया ने कहा कि कुर्ते पर भी नाम लिखवा दें क्या। खबर वालों ने इन लफजों से लहजे तलाशने शुरू किये और अनुमान लगाया कि सियासी मोहभंग तो नही हो गया कहीं चौधरी साहब का। कहने वाले ने कहा कि आप भी कतई कमाल काट रहे हो। जो मठ वालों के लगे लठ भूल कर फूल वालों के यहां चले गये वो भला इस बात को तूल देगें। ये तो सियासी पंच हैं कि कल जब पालिटिकल पलटी की बेला आयेगी तो कम से कम कह तो सकेगें कि हम बोले थे।

लाइव हैं अभी उम्मीद की तोप, 6 महीने तक रख लेना उनके नाम की होप

इस बार की चुनावी पारी में भगवा किले में वो हिले हैं जिनके लिये ये कहा जाता था कि उनकी उम्मीदवारी तो अजर अमर हैं हां अगर वो खुद ही चाहें तो बात अलग हैं। हुया भी फिर यही कि उन्होने खुद ही टवीट कर दिया कि मुझे चुनाव नही लड़ना हैं। वो एक्स हो गये और भगवा गढ़ में कई पालिटिकल फेस रिलेक्स हो गये हैं। भगवा फोर्ट वाले ने ही कहा कि केवल वजीर गेम से बाहर हुया हैं लेकिन वजीर के प्यादें यहां बैठकर पूरी केयर कर रहे हैं। बड़े दरबारों से ये सदा आ रही है कि वो एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं। बताने वाले ने बताया कि उनके कुछ कर गुजरने की उम्मीद वाली तोप अभी जिंदा यानि लाईव हैं। मियाद भी बताई कि आप 6 महीने तक उनके नाम की होप मान कर चलना। अगर 6 महीने में कुछ हो गया तो हो गया वरना सीनें में आईस ही रहेगी।

- क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं आपका खींचना चाहता हूँ एक बात पर ध्यान ? भाजपा में भी है एक रिजवान ? रिजवान भाई के समर्थकों की भी है चाहत ? विधान सभा का उपचुनाव लड़ा दिया जाए रिजवान भाई को ? ताकि मिल जाए उनकी बिरादरी वालों को राहत ? देने वाले दे रहे है उनके विस्तारक बनाये जाने पर तर्क ? कह रहे है, जब उनको विस्तारक वाली ज़िम्मेदारी दी जा सकती है तो फिर विधानसभा का टिकट देने में क्या है हर्ज ? एक बार पार्टी करे तो सही उनको सपोर्ट, वो गारंटी लेकर डलवा देंगे अपने समुदाय की पच्चीस हजार वोट ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि ओबीसी के साथ लाइन पार वाले कोटे से देख रहे है रेड फेस मैन विधायक बनने का ख़्वाब ? इस बात को लेकर स्थानीय चेहरे बना रहे है उनपर बेशुमार दबाव ? रेडफेस मैन से लगाई जा रही है लगातार ये अरदास ? वो अबकी बार लाइन पार वाली उठायें आवाज ? कहने वाले ने कहा कुछ भी हो जाए यादव जी इस थीम पर नहीं माँगेगे टिकट ? टिकट से ज्यादा वो रहना चाहते है भगवा कमांडर के निकट ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि आजकल बजरंगी भैया भले ही कुछ ज्यादा ना बोलें ? मगर वो एक बात पर कर रहे है अच्छा फील ? पहले उन्हें अपनी बिल्डिंग सील किए जाने का कष्ट था ? मगर वो अब बहुत ज्यादा खुश है कि अब उनकी बिल्डिंग के आस पास की बिल्डिंगें भी हो गई है सील ? दे रहे है वो अपने साथियों में तर्क ? कार्रवाई की प्रक्रिया का पालन सब पर सामान रूप से होना चाहिए ? ऐसा होने से दिल पर नहीं पड़ता ज्यादा फर्क.?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भले ही स्थगित हो गया हो निगम का कार्यकारिणी चुनाव ? मगर राजीव भैया के नाम पर संगठन वालों पर कई भगवा पार्षद बना रहे है दबाव ? कह रहें बगावत करने वालों को कम से कम नोटिस होना चाहिए जारी ? कहने वाले ने कहा, इस दबाव को बनाकर करने वाले समाप्त करने चाहते है राजीव भैया की दावेदारी ? पाँचवें कैंडिडेट के तौर पर वो लाना चाहते है कोई और चेहरा ? किसी भी सूरत में वो बंधने नहीं देना चाहते राजीव भैया के सिर पर सेहरा ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि जब हाल ए दिल सुनने के लिए मैं मेम्बर कराकोटि जी के पास जाता है ? तब देखकर उनकी उदासी मैं सोच में पड़ जाता हूँ ? निकलती है उनके दिल से सरकारी विभाग के सहायक इंजीनियर के खिलाफ आग ? वो कहते है, जीडीए के इस व्यक्ति ने मेरा फोन ब्लॉक कर दिया है साहब ? कर चुका हूँ इस बारे में मैं बड़े वाले साहब से भी शिकायत ? बावजूद उसके आज भी ब्लैकलिस्ट है हमारा नंबर ? लगता है इंजीनियर की तरह साहब भी हमारी शिकायत को नहीं समझ रहे है किसी लायक ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि लोकसभा सांसद ने चुनाव के बाद मतदाताओं का सम्मान करने के लिए शहर, साहिबाबाद , लोनी और मुरादनगर में आयोजन किए है जोरदार ? मगर क्यों नहीं रखे है उन्होंने इस आयोजन को लेकर धौलाना में कदम ? इस बारे में जानने को स्थानीय नेता और जनता है बहुत ही ज्यादा बेकरार ? कहने वाले ने कहा, हो सकता है यहाँ से कम मिले है उनको वोट ? इसलिए सांसद जी यहाँ का मामला नहीं कर रहे है नोट ? तर्क यही दिए जा रहे है, जैसा तुम्हारा सपोर्ट वैसा हमारा सपोर्ट ? ना तुम में कोई खोट, ना हम में कोई खोट ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि मैम्बर मुस्तकीन पर चला था मैम्बर चोटी वालों ने दांव? बस इस दांव से ही उभर गये सारे घाव? सुना है दस वोटों का किया हुआ था चोटी वालों ने इंतजाम? किस साहब के इशारे पर हो रहा था सारा काम? मैम्बर ने कर ली थी इस मामले में पक्ष और विपक्ष वाले पार्षदों बात? मगर बीच चुनाव में राजीव भैया ने रायता फैला दिया? जिसे अंत तक कोई भी नहीं समेट पाया कोई भी साहब?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा जल वाले रखते हैं बात गंभीरता से नहीं करते हैं वो कोई क्रीड़ा? सुना है मेयर साहब तक पहुंचाना चाहते हैं वो अपनी पीड़ा? देना चाहते है वो हाऊस टैक्स को लेकर मैडम मेयर को यही संदेश? विशेष आबादी वाले मौहल्लों पर लगाया जाये टैक्स? नगर निगम को भरपूर टैक्स दे रहे हैं हम जैसे फेस? सुना है कमांडर ने भी जल वालों की बात को दिया है वजन? कहा है हाऊस टैक्स वाले मामले में नहीं होना चाहिए कहीं पर कर्म और कहीं पर सितम?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि मेरी बात आप कुल में दीप जलाने वाले त्यागी जी तक पहुंचा देना? आजकल पूरे काम से ईश्वर की तमन्ना रखने वाले त्यागी जी के साथ बैठ गया है चोटी वाले त्यागी जी का जबरदस्त मेल? अब इन दोनों के सिस्टम में कोई भी आने की कोशिश करेगा, वो हो जायेगा फेल? कहने वाले ने कहा दोनों ने भगवा कमांडर के आस पास अपनी एक जुटता की ताकत दिखाते हुए फील्डिंग बिठा दी है टाईट? हो गये हैं दोनों पहले से काफी मजबूत? शायद करारी मूंछ वाले नहीं कर पायेंगे अब इन दोनों से फाईट?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भले ही कार्यकारिणी चुनाव स्थगित होने को लेकर माना जा रहा हो गलत? मगर यहां पर भगवा संगठन वालों के अंदाज दिख रहे हैं सबसे अलग? वो चुनाव स्थगित होने में भी रहे हैं अपनी जीत तलाश? कह रहे हैं चुनाव स्थगित होने से एक ऐसा चेहरा कार्यकारिणी में जाने से रह गया? वो अगर चला जाता तो हो जाता माहौल खराब?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

लिफ्ट देकर लूट करने वाला दबोचा

हापुड। थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने गाड़ी में लिफ्ट देकर लोगों से लूटपाट की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह के फरार सदस्य को गिरफ्तार कर लिया है। गिरोह के अन्य सदस्यों की पुलिस टीम तलाश कर रही है। इस गिरोह के एक सदस्य और वारदात में इस्तेमाल कार को पूर्व में पुलिस बरामद कर चुकी है। थाना प्रभारी अरविन्द चौधरी ने बताया कि जिला मुरादाबाद निवासी याकूब अली ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया था कि 8 जुलाई की रात करीब 10 बजे वह नोएडा से मुरादाबाद जाने के लिए नोएडा सेक्टर 62 से एक सेंट्रो गाड़ी में बैठा था। जिसमें पहले से ही चार लोग बैठे थे। थोड़ी दूर कार चलने के बाद उन लोगों ने उसे डराकर तमंचा दिखाकर उसकी जेब से 10 हजार रुपये उसके फोन से हजारों रुपये विभिन्न फोन नंबरों पर ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए और उसे गाड़ी में घुमाते रहे। कुछ देर बाद पीड़ित के साथ मारपीट कर चितौड़ा के जंगल में छोड़कर फरार हो गए थे।

कब तक लाइन और साइड लाइन में वेट करेंगे थ्री-स्टार

पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद यूं ही यूपी पुलिस में एक अलग स्वैग रखता है। यहां की पोस्टिंग से लेकर होने वाले तबादलों पर सबकी नजरें जमी रहती है। कई बार तो ऐसा भी सुनने में आया है कि नियुक्ति वाले तक यहां गौर देते हैं। वैसे इन दिनो कांवड़ यात्रा का दौर शुरू हो चुका है। कांवड़ यात्रा के लिए तैयारी का बड़ा सिलसिला है लेकिन इन सबके बीच जानकारी मिल रही है कि पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद की लाइन और साइड लाइन चल रहे थ्री-स्टार कब तक वेट करेंगे। वहीं सूत्र बता रहे हैं कि पुलिस लाइन में कई प्रभारी निरीक्षक तो ऐसे भी बताए जाते हैं जिनको एक साल का समय हो गया है। तो वहीं कई ऐसे प्रमुख फेस साइड लाइन चल रहे हैं जो नदियापार और देहात में कमाल कर चुके हैं। वही पुलिस कमिश्नरेट में जुगाड़ वाले टू-स्टार लाइन पहुंच कर भी ऑफिस वाली ड्यूटी पा ले रहे हैं। पुलिस कमिश्नरेट लाइन वाले सूत्र बता रहे हैं कि कई निरीक्षक तो यहां लंबे समय से जमे हुए हैं। तो वही कई टू-स्टार भी लंबा समय बिता चुके हैं। अब क्या वजह है जो इनकी सजा खत्म होने का नाम नहीं ले रही है या कोई और मामला है, यह तो पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद के आलाधिकारी ही बेहतर बता सकते हैं। कमिश्नरेट में उन प्रभारियों पर भी अधिकारियों की नजर बताई जा रही है, जो लगभग एक साल वाला समय पूरा करने के आसपास चल रहे हैं। कमिश्नरेट के सूत्र बता रहे हैं कि वैसे तो लाइन और साइड लाइन चल रहे थ्री-स्टार ज्यादा हाथ पैर नहीं मार रहे हैं। पर एक खास ड्यूटी पानी वाले टू-स्टार जो कभी सिटी, नदियापार और देहात में 151 के राजा कहे जाते थे इन दिनों महाराज जी वाली ड्यूटी के लिए जिम्मेदारी निभा रहे हैं। वही सूत्र बता रहे हैं की कांवड़ यात्रा के बाद फिर एक बार पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में थाना प्रभारियों वाले स्तर पर बदलाव वाले नए नाम नजर आएंगे। इसी के साथ कांवड़ यात्रा के बाद सिटी जोन की टू-स्टारा की भी तबादला लिस्ट आने की संभावना जताई जा रही है। कुछ चेहरे चार्ज पाने के प्रयास में लगे हुए हैं। अब उन पर कृपा चौकी वाली होती है या कोई थाना उनके नाम आता है, यह भी देखना होगा। कुल मिलाकर अभी पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद की लाइन और साइड लाइन में दर्जन से अधिक निरीक्षक ऐसे बताए जा रहे हैं, जो लंबे समय से प्रभारी वाली कुर्सी से दूर हैं।

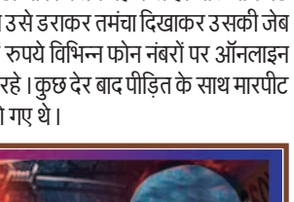

न्यांय खंड-1 में मंदिर के सामने भरा सीवर का पानी, भक्त परेशान

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम के वार्ड 79 न्यायखंड-1 गली नम्बर पांच में महादेव मंदिर में भगवान शिव को जल चढ़ाने के लिए महिलाओं को सीवर के गंदे पानी के बीच से होकर आना पड़ता है। यहां पिछले 3 तीन से मंदिर के सामने सीवर का पानी भरा हुआ है। पार्षद हरीश कडाकोटी ने सीवर ओवरफ्लो की समस्या के बारे में जीडीए के अधिकारियों कोई कई बार बता। इसके बावजूद भी अधिकारी इस तरफ ध्यान नहीं दे रहे। इलाके के लोगों को सीवर के पानी के बीच से होकर मंदिर पहुंचकर पूजा करनी पड़ती है। लोग ने बताया कि पास में ही शिव मंदिर है। इसमें हर दिन कई लोग भगवान शिव की पूजा करने के लिए आते हैं। गंदे पानी के बीच से होकर गुजरते है। सोमवार को हरीश कडाकोटी ने इस समस्या की शिकायत जीडीए उपाध्यक्ष की है , कहा कि अधिकारी कर्मचारी नहीं फोन उठा रहे हैं, इस समस्या को अधिकारियों को इन समस्याओं से अवगत कराया 3 दिन से मंदिर के पास में और न्याय खंड एक ही पांच गलियों में शिवा र ओवरफ्लो हो रहा है लेकिन हर जगह शिकायत करने के बाद भी यह समस्या दूर नहीं हो रही है। पार्षद ने कहा कोई भी कर्मचारी मेरा फोन नहीं उठा रहा है।

वार्ड 74 के पार्षद नरेश भाटी ने किया 10 एचपी का पंप का उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वसुंधरा वार्ड 74 के पार्षद नरेश भाटी ने वसुंधरा सेक्टर 19 में 10 एचपी पंप का उद्घाटन नारियल फोड़कर किया। एसएस कोशिक, पीके गोयल , नरेंद्र कथैत उद्घाटन के दौरान क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पार्षद नरेश भाटी ने कहा कि चुनाव के दौरान जनता से जो वादे किए वह पूरे किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश सरकार द्वारा बिना भेदभाव के काम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास की गति तेज की जाएगी। महापौर सुनीता दयाल आज शहर के सभी वार्डों का निरीक्षण कर रही हैं और सफाई व्यवस्था से लेकर अन्य कार्यों को बारीकी से देख रही हैं।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद बार एसोसिएशन चुनाव में डॉ शबनम खान एडवोकेट ने वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर बड़ी जीत हासिल कर एक रिकॉर्ड बनाया है। वो पहली महिला अधिवक्ता हैं जिन्हें इस चुनाव में हर वर्ग के अधिवक्ताओं का सपोर्ट और वोट दोनो मिले हैं। जीत के बाद साथी अधिवक्ताओं ने उनके चैंबर पर पहुंच कर उन्हे जीत की बधाई शुभकामनाएं मुबारकबाद दी। महिला अधिवक्ता वर्ग उनकी जीत से उत्साहित हैं। उनका मानना है कि महिला अधिवक्ताओं की एक मजबूत आवाज अब डॉ शबनम खान एडवोकेट के रूप में बार एसोसिएशन में पहुंची है। वही जीत के बाद सभी का आभार व्यक्त करते हुए बार एसोसिएशन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ शबनम खान एडवोकेट ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सभी साथी अधिवक्ताओं को साथ लेकर चलने की होगी। जिन अधिवक्ता साथियों ने उन पर भरोसा जताया है वह हमेशा उस भरोसे पर खरा उतरेंगी।

शराब पीने को लेकर हंगामा

हापुड। जिले के थाना बहारदुरगढ़ क्षेत्र के गांव कन्नौर गांव में शराब पीने को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले और पथराव भी हुआ।

इस दौरान एक व्यक्ति घायल भी हो गया हुआ, सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया और कई लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दरअसल, मिली जानकारी अनुसार गांव कन्नौर में कल देर रात शराब पीने के दौरान दो पक्ष आपस मे भीड़ गए, इस दौरान सुखवीर सिंह घायल हो गया। इस घटना के बीच दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और जमकर लाठी डंडे चले और पथराव भी हुआ। इस बीच गांव के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस नें कई लोगों को गिरफ्तार कर किया और मामले को शांत कराया।

कूड़ा निस्तारण को हमें घर व गांव से ही प्रयास करने होंगे: सुचेता सिंह

मोदीनगर करंट क्राइम। ओडीएफ प्लस फेज-2 के अंतर्गत ओडीएफ प्लस मॉडल गांव बनाने हेतु उपनिदेशक (पंचायत) मेरठ मंडल, मेरठ के कुशल मार्ग निर्देशन में जनपद गाजियाबाद के विकास खंड भोजपुर के वित्तीय वर्ष 2024-25 में मॉडल ग्राम हेतु चयनित ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक, पंचायत सचिव व सफाई कर्मियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुचेता सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह ने कहा कि अभी सबसे बड़ी समस्या क्षेत्र में कूड़ा निस्तारण की है, इसके निस्तारण के लिए हमें घर और गांव से ही प्रयास करना होगा। जिसके लिए मिलने वाले प्रशिक्षण को समझने के साथ-साथ करके भी दिखाना होगा। साथ ही प्रशिक्षकों द्वारा बताया गया कि सत्र के दूसरे दिवस में प्रशिक्षणार्थियों को फील्ड विजिट हेतु ओडीएफ प्लस मॉडल ग्राम ओर ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु आरसी केंद्र, कंपोस्ट पिट, लीच पिट, सिल्ट कैचर एवं फिल्टर चैंबर की जानकारी दी जाएगी। इस प्रशिक्षण में सहायक विकास अधिकारी पंचायत भोजपुर मोहित अग्रवाल एवं दोनों विकास खंड से ब्लॉक कोऑर्डिनेट भी उपस्थित रहे।

जो बाइडन ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से अपना नाम वापस लिया

उम्मीदवारी की पैरवी को लेकर हैरिस ने जताया बाइडन का आभार, कहा- ट्रंप को हराना मकसद

रविवार देर रात बाइडन ने अभियान समाप्त करने का एलान किया

वाशिंगटन। जो बाइडन ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 2024 से अपना नाम वापस ले लिया है। अब उनकी जगह भारतवंशी कमला हैरिस को प्रत्याशी बनाया जा सकता है। उनका प्रत्याशी बनना इसलिए भी मजबूत माना जा रहा है, क्योंकि बाइडन ने खुद उनके नाम की पैरवी की है। इस पर अमेरिका की उपराष्ट्रपति हैरिस ने कहा कि वह राष्ट्रपति चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति बाइडन का समर्थन पाकर सम्मानित महसूस कर रही हैं। उन्होंने इस पर भी जोर दिया कि उनका लक्ष्य डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रोजेक्ट 2025 एजेंडे को हराने के लिए देश को एकजुट करना है।

81 वर्षीय अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन की मानसिक सेहत का जिक्र करते हुए रिपब्लिकन खेमे की तरफ से लगातार उनके प्रत्याशी बने रहने पर सवाल खड़े किए जा रहे थे। इसी बीच रविवार देर रात बाइडन ने अपना अभियान समाप्त करने का एलान किया। बाइडन ने विस्तार से लिखे देशवासियों के नाम पत्र में अपने इस फैसले को सार्वजनिक किया।

ट्रंप को हराने के लिए साथ आने का यह सही समय : राष्ट्रपति बाइडन ने पार्टी अपनी उम्मीदवारी समाप्त करने की घोषणा के बाद ट्वीट कर कहा, मैं डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार के लिए कमला हैरिस का पूरा समर्थन करता हूं। यह सही समय है कि डोनाल्ड ट्रंप को हराने के लिए लोग साथ आएं। बाइडन ने लिखा, 2020 में पार्टी के उम्मीदवार के रूप में मेरा पहला निर्णय कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति के रूप में चुनना था। और यह मेरा अब तक का सबसे अच्छा निर्णय है। आज मैं कमला को इस वर्ष हमारी पार्टी का उम्मीदवार बनाने के लिए अपना पूर्ण समर्थन देना चाहता हूं।

हैरिस ने कही ये बात : इस पर भारतीय-अफ्रीकी मूल की कमला हैरिस ने अनुमोदन के लिए आभार प्रकट किया और कहा कि डेमोक्रेट्स को जीत दिलाने में कोई कसर बाकी नहीं रखेंगी। उन्होंने बाइडन के फैसले को देशभक्ति के उच्चतम आदर्शों में एक करार दिया।

कमला हैरिस ने कहा, 'अमेरिकी लोगों की ओर से मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में उनके असाधारण नेतृत्व और हमारे देश के लिए दशकों की सेवा के लिए जो बाइडन को धन्यवाद देती हूं। राष्ट्रपति का समर्थन पाकर मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं और मेरा इरादा इस नामांकन को अर्जित करना और जीतना है। मैं डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रोजेक्ट 2025 एजेंडे को हराने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी और हमारे देश को एकजुट करने के लिए अपनी पूरी शक्ति से काम करूंगी। चुनाव के दिन तक हमारे पास 107 दिन हैं। हम साथ मिलकर लड़ेंगे और साथ मिलकर जीतेंगे।'

हालांकि, बाइडन के समर्थन ने हैरिस के नाम पर लगभग मुहर लगा दी है। फिर भी उपराष्ट्रपति हैरिस को अगले महीने शिकागो में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के दौरान पार्टी के प्रतिनिधियों द्वारा चुने जाने की आवश्यकता है। भारतीय-अफ्रीकी मूल की हैरिस ने कहा कि पिछले साल उन्होंने देश भर की यात्रा की है और इस चुनाव में स्पष्ट विकल्प के बारे में अमेरिकियों से बात की है।

बाइडन ने विस्तार से लिखे देशवासियों के नाम पत्र में अपने इस फैसले को सार्वजनिक किया।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति बाइडन का समर्थन पाकर सम्मानित महसूस कर रही हूं : कमला हैरिस

'मैं डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार के लिए हैरिस का पूरा समर्थन करता हूं'

इन लोगों ने भी किया समर्थन

पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने भी उम्मीदवार के रूप में हैरिस का समर्थन किया। उन्होंने एक संयुक्त बयान में कहा, 'हम कई उतार-चढ़ाव से गुजरे हैं, लेकिन ट्रंप के दूसरे कार्यकाल से पैदा खतरे से ज्यादा किसी चीज ने हमें अपने देश के लिए परेशान नहीं किया है।' क्लिंटन ने कहा, 'उन्होंने पहले दिन से ही तानाशाह बनने का वादा किया था और सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला उन्हें संविधान को और अधिक नष्ट करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। अब समय आ गया है कि हम कमला हैरिस का समर्थन करें और उन्हें चुनने के लिए हरसंभव प्रयास करें।' डेमोक्रेट नेता और पूर्व राष्ट्रपति ओबामा ने भी बाइडन के फैसले की सराहना की। हालांकि, उन्होंने कमला हैरिस के नाम का अनुमोदन नहीं किया है।

बाइडन के पीछे हटने के फैसले से भारतीय-अमेरिकी खुश, बोले- राष्ट्रपति ने अमेरिका को खुद से आगे रखा

रिपब्लिकन पार्टी ने जो बाइडन से इस्तीफा मांगा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के नवंबर 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से इन्कार करने के बाद अमेरिका में राजनीतिक उथल-पुथल है। राजनीतिक दल डेमोक्रेटिक पार्टी ने जहां नए उम्मीदवार की तलाश शुरू कर दी है। वहीं रिपब्लिकन पार्टी ने जो बाइडन से इस्तीफा मांगा। इसके दूसरी तरफ भारतीय अमेरिकियों ने जो बाइडन के फैसले का स्वागत किया है। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रमुख सदस्य ने कहा कि यह उनके लिए कठिन फैसला रहा होगा, लेकिन उन्होंने अमेरिका को पहले रखने के लिए यह कदम उठाया।

न्यूयॉर्क में प्रमुख वकील रवि बत्रा का कहना है कि मैं राष्ट्रपति बाइडन के फैसले का स्वागत करता हूं। मैं उनके फैसले को अमेरिकी असाधारणता को बनाए रखने अंतिम कार्य और अमेरिका फर्स्ट के फैसले के रूप में स्वीकार करता हूं। उन्होंने बाइडन का धन्यवाद जताते हुए कहा कि उनके लिए यह कठिन फैसला रहा होगा। जैसे युद्ध के मैदान में हर सैनिक अपना योगदान देता है, वैसे ही बाइडन अमेरिका को अपना सर्वश्रेष्ठ अंतिम योगदान दें।

बत्रा ने कहा कि 50 साल तक बाइडन ने देश की सेवा की। राष्ट्रपति से पहले बराक ओबामा की सरकार में विदेश संबंधों के सीनेट के रूप में उनका कार्यकाल शानदार रहा। उनकी नजर में देश के लोग रिपलब्किन और डेमोक्रेट बाद में पहले अमेरिकी हैं। बाइडन जानते हैं कि वह डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए सही चेहरा नहीं बनते। वह भी ऐसे समय में जब रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ चुनाव लड़ना हो। जिन्हें हाल ही में पेंसिल्वेनिया में चुनाव अभियान में गोली मार दी गई थी। इस अत्यधिक संकट के क्षण में भी डोनाल्ड ट्रंप ने अपना सर्वश्रेष्ठ कर्तव्य निभाया और खून से सने चेहरे के साथ लड़ो कहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि ट्रंप लोकतंत्र के लिए लड़ते हैं। क्योंकि अगर हम नहीं लड़ेंगे तो सब कुछ खत्म हो जाएगा।

'बाइडन सच्चे देशभक्त...', जो बाइडन के राष्ट्रपति पद की रेस से हटने पर ओबामा ने की तारीफ

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने राष्ट्रपति पद की रेस से हटने का एलान कर दिया है। पहली डिबेट में ट्रंप के सामने कमजोर पड़ने के बाद से ही जो बाइडन पर राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने का भारी दबाव पड़ रहा था, लेकिन खुद बाइडन पीछे हटने को तैयार नहीं थे, लेकिन रविवार को चौंकाते हुए बाइडन ने अचानक से पीछे हटने का एलान किया। जो बाइडन के इस फैसले की पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने जमकर तारीफ की है।

बराक ओबामा ने कहा कि 'जो बाइडन अमेरिका के सबसे अहम राष्ट्रपति है, साथ ही मेरे अच्छे दोस्त हैं। आज एक बार फिर उन्होंने ये बात साबित कर दी कि वह सच्चे देशभक्त हैं।' ओबामा को बतौर उपराष्ट्रपति चुनने के समय को याद करते हुए ओबामा ने कहा कि '16 साल पहले जब मैं उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की तलाश कर रहा था तो मुझे जो बाइडन के जनसेवा के क्षेत्र में शानदार करियर के बारे में पता था। लेकिन मैं उनकी तारीफ उनके जुझारूपन और सहानुभूति वाले चरित्र और उस विचार के लिए करता है, जिसमें वो हर नागरिक को अहम मानते हैं।'

16 साल पहले जब मैं उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की तलाश कर रहा था तो मुझे बाइडन के जनसेवा के क्षेत्र में शानदार करियर के बारे में पता था, लेकिन मैं उनकी तारीफ उनके जुझारूपन और सहानुभूति वाले चरित्र और उस विचार के लिए करता है, जिसमें वो हर नागरिक को अहम मानते हैं।

बाइडन की तारीफ में बोले बराक ओबामा

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कमला हैरिस के नाम पर साधी चुप्पी

ओबामा ने गिनाई बाइडन की उपलब्धियां : जो बाइडन की उपलब्धियां गिनाते हुए ओबामा ने कहा कि 'देश के कोरोना महामारी को खत्म करने, लाखों नौकरियां पैदा करने, दवाइयों की कीमत कम करने, हथियार सुरक्षा से संबंधी कानून बनाने, देश के इतिहास में जलवायु परिवर्तन पर सबसे बड़ा निवेश करने और हर नागरिक के अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में बाइडन ने शानदार काम किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की प्रतिष्ठा को फिर से स्थापित करने, नाटो को फिर से संगठित करने और यूक्रेन में रूस की आक्रामकता का जवाब देने में भी बाइडन की भूमिका काफी अहम रही।'

ओबामा ने कहा कि 'हम अनजान राहों पर आगे बढ़ रहे हैं और भविष्य में क्या होगा कोई नहीं जानता, लेकिन मुझे उम्मीद है कि हमारी पार्टी के नेता कुछ ऐसा करेंगे, जिससे सर्वश्रेष्ठ नामांकन सामने आएगा। मुझे विश्वास है कि जो बाइडन का एक समृद्ध, उदार और एकजुट अमेरिका का विजन अगस्त में होने वाले डेमोक्रेटिक कन्वेंशन में दिखाई देगा।' ओबामा बोले 'जो बाइडन संघर्ष से पीछे हटने वाले नेता नहीं हैं, लेकिन अब मशाल अगले दावेदार को थमाना उनके लिए बहुत मुश्किल है, लेकिन उन्हें लगा कि यह अमेरिका के लिए सबसे सही फैसला है। यह बाइडन का देश के प्रति प्यार का सबूत है।'

रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बाइडन को बताया महान विचारकों में से एक : अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बाइडन की तारीफ करते हुए एक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि 'राष्ट्रपति बिडेन अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के असाधारण संरक्षक हैं।

कंगाली से जूझ रही पाक सरकार पीआईए का निजीकरण करेगी

संपत्ति और घाटे के बंटवारे के लिए कार्यनीति तैयार

इस्लामाबाद। कंगाली से जूझ रही पाकिस्तान सरकार अब अपनी सरकारी एरलाइंस के निजीकरण करने की तैयारी में जुट गई है। खबर है कि पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) को अब निजी हाथों में देने की तैयारी हो रही है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि पीआईए से जुड़ी कुल संपत्तियों की लागत 171.43 अरब रुपये है। निजीकरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पीआईए की संपत्तियों और ऋण को इसके अधिकार वाली कंपनी और अधिग्रहण करने वाली नई कंपनी के बीच बांट दिया जाएगा।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार पीआईए पर सरकार का कुल 161 अरब रुपये और निजी बैंकों का 267 अरब रुपये बकाया है। यह बकाया पीआईए की अधिकार वाली कंपनी को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। आगे बताया गया है कि पीआईए की कुल 171.43 अरब की संपत्ति में से 146.57 अरब रुपये नए संस्थान को हस्तांतरित किए जाएंगे। इसके अलावा 24.86 अरब रुपये की संपत्ति इसकी आधिकारिक कंपनी के पास रहेगी।

आधिकारिक बयान में बताया गया है कि पाकिस्तान सरकार पीआईए के निजीकरण की तैयारी कर रही है। इसकी संपत्तियों और ऋण के बंटवारे के लिए कार्यनीति भी तैयार कर दी गई है। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि पीआईए को कुल मिलाकर 830 अरब रुपये का घाटा हुआ है। कुल घाटे में से 202 अरब का वहन पीआईए करेगी। इसके अलावा 628 अरब रुपये का वहन पीआईए की अधिकारिक कंपनी करेगी। बताया गया है कि अधिग्रहण करने वाली नई कंपनी, 55.70 अरब रुपये के घाटे के साथ पीआईए का संचालन करेगी।

पीआईए को कुल मिलाकर 830 अरब का घाटा

ऐसे होगा पीआईए का संचालन : आधिकारिक जानकारी के अनुसार निजीकरण की प्रक्रिया के दौरान पाकिस्तान सरकार पीआईए के संचालन को दो हिस्सों में बांट देगी। पीआईए की सभी संपत्तियों और ऋण को दो हिस्सों में बांट दिया जाएगा। निजीकरण के बाद विमानों समेत कुल 92.62 अरब रुपये की संपत्ति पीआईए को हस्तांतरित कर दी जाएगी। साथ ही, विमान संचालन के लिए तकनीक उपकरण के रूप में छह अरब रुपये, व्यापार घाटे के रूप में 22.35 अरब रुपये और 16.83 अरब की अन्य संपत्तियों को भी पीआईए को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। इसी तरह पीआईए का अधिग्रहण करने वाली नई कंपनी द्वारा एयरलाइन के किराए के रूप में 30 अरब रुपये, कर्मचारियों के वेतन के रूप में 27.26 अरब रुपये और अन्य देय राशियों के रूप में 121 अरब रुपये का वहन किया जाएगा।

बांग्लादेश : हिंसा पर अंकुश के लिए कर्फ्यू बढ़ाया, दो दिन छुट्टी का एलान

ढाका। आरक्षण के खिलाफ छात्रों के प्रदर्शन के हिंसक रूप लेने के बाद बांग्लादेश सरकार ने रविवार को देशव्यापी कर्फ्यू को बढ़ा दिया। लोगों को घरों में रहने की सलाह दी गई है। दूसरी तरफ, देश में दो दिन के सार्वजनिक अवकाश का एलान किया गया है। इस दौरान सिर्फ आपातकालीन सेवाओं को काम करने की इजाजत होगी। हिंसा में अब तक 139 लोग मारे जा चुके हैं। हालांकि, सरकार ने अब तक कोई आंकड़ा जारी नहीं किया है।

139 लोगों की अब तक हो चुकी है मौत

बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के सेनानियों के वंशजों को सरकारी नौकरी में 30 प्रतिशत का आरक्षण दिए जाने के एलान के बाद भड़के हिंसक प्रदर्शनों ने सरकार को हिलाकर रख दिया है। हालांकि, देश की शीर्ष अदालत ने रविवार को सेनानियों के रिश्तेदारों का कोटा 30 फीसदी से घटाकर पांच फीसदी कर दिया।

गृह मंत्री असदुजमां खान ने बताया कि कर्फ्यू में शाम तीन से पांच बजे तक ढील दी गई, ताकि लोग जरूरी सामान खरीद सकें। उधर, प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार ने रविवार व सोमवार को सार्वजनिक अवकाश का एलान किया है। इस दौरान सिर्फ आपातकालीन सेवाओं को काम करने की अनुमति होगी।

अमेरिका ने नागरिकों को बांग्लादेश न जाने की दी सलाह : अमेरिका ने बांग्लादेश में जारी हिंसा के मद्देनजर अपने नागरिकों को दक्षिण एशियाई देश की यात्रा न करने की सलाह दी है। उसने अपने गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों व उनके परिवार के सदस्यों को स्वैच्छिक रूप से बांग्लादेश से स्वदेश वापसी की अनुमति दे दी है।

4500 से अधिक भारतीय बांग्लादेश से लौटे

हिंसाग्रस्त बांग्लादेश से अब तक 4500 से अधिक भारतीय छात्र स्वदेश लौटे हैं। विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि नेपाल के 500, भूटान के 38 व मालदीव का एक छात्र भी भारत पहुंचा है। मंत्रालय ने बताया कि भारतीय मिशन बांग्लादेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में शेष भारतीय छात्रों और भारतीय नागरिकों के कल्याण और सहायता के लिए उनके साथ नियमित संपर्क में हैं।

इस्लामाबाद पुलिस ने गौहर खान और रऊफ खान को किया गिरफ्तार

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद पुलिस ने पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी के कार्यालय से पार्टी अध्यक्ष गौहर खान और सूचना सचिव रऊफ खान को गिरफ्तार किया। पार्टी के नेता शिबली फराज ने गिरफ्तारी की आलोचना की और इसे कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन बताया। पुलिस ने पार्टी कार्यालय से कंप्यूटर और अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं। पीटीआई की ओर से एक्स पर पोस्ट किया गया कि इस्लामाबाद पुलिस कानून का मजाक उड़ा रही है। पाकिस्तान में जंगलराज कायम है।

वहीं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के वकील अली इलाज बट्टार ने एक्स पर पोस्ट किया कि मुझे पार्टी कार्यालय से फोन आया कि 300-400 पुलिस वाले कार्यालय में घुस आए और अध्यक्ष गौहर खान और सूचना सचिव रऊफ खान को गिरफ्तार करके ले गए। पीटीआई ने इसका वीडियो भी एक्स पर पोस्ट किया। इसमें लिखा गया कि पाकिस्तान की सरकार विपक्षी दलों के पीछे लगकर बेबुनियाद कार्रवाई करने की बजाय अपराधियों को पकड़ने के लिए अधिकारियों को लगाए।

पीटीआई नेता खुर्रम शेर जमान ने आरोप लगाया कि पुलिस ने कुछ दस्तावेज और उपकरण पार्टी कार्यालय से जब्त किए हैं। साथ ही स्टाफ को एक कमरे में बंद कर दिया है। इनको ले जाने के लिए कैदी वाहन का इंतजार किया जा रहा है।

तहरीक ए इंसाफ पार्टी कार्यालय से कंप्यूटर जब्त

श्रीलंकाई तमिल पार्टियां मिलकर लड़ेंगीं राष्ट्रपति चुनाव

कोलंबो। श्रीलंका में इस साल के अंत में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारी शुरू कर दी है। श्रीलंकाई तमिल पार्टियों ने प्रमुख तमिल दल कळअङ का साथ छोड़ दिया। इसके अलावा श्रीलंकाई तमिल पार्टियों ने एक चुनाव में मिलकर एक उम्मीदवार उतारने का फैसला लिया है। इसे लेकर पार्टियों ने सोमवार को एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

पिछले सप्ताह चुनाव आयोग ने कहा था कि देश में राष्ट्रपति चुनाव की घोषणा इसी महीने के अंत तक हो जाएगी। आयोग ने 17 सितंबर से 16 अक्तूबर के बीच चुनाव कराने के संकेत दिए थे। चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारी तेज कर दी है। सोमवार को जाफना में तमिल ईलम मुक्ति संगठन (टीईएलओ), पीपुल्स लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन ऑफ तमिल ईलम (पीएलओटीई), तमिल प्रोग्रेसिव अलायंस (टीपीए), तमिल नेशनल पीपुल्स फ्रंट (टीएनपीएफ), और ईलम पीपुल्स रिवोल्यूशनरी लिबरेशन फ्रंट (ईपीआरएलएफ) और तमिल पीपुल्स कांग्रेस एसोसिएशन (टीपीसीए) के नेताओं ने चुनाव लड़ने के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। इसमें तय किया गया कि श्रीलंकाई तमिल दल चुनाव में मिलकर एक आम उम्मीदवार उतारेंगे। समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले दलों में पूर्व उत्तरी मुख्यमंत्री सीवी विग्नेश्वरन की टीपीए भी शामिल है।

वहीं तमिल नेशनल अलायंस में शामिल मुख्य तमिल पार्टी इलंकाई तमिल अरासु कच्ची (आईटीएके) ने समझौते में हिस्सा नहीं लिया। वहीं चुनाव को लेकर राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने अब तक अपनी उम्मीदवारी की घोषणा नहीं की है। वहीं विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा और मार्क्सवादी जेवीपी के नेता अनुरा कुमारा दिसानायके ने चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है।

राष्ट्रपति विक्रमसिंघे पर विपक्षी दलों ने लगाया आरोप

सुप्रीम कोर्ट में चुनाव स्थगित करने के लिए दायर की गई थी याचिका

श्रीलंका सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों चुनाव स्थगित करने को लेकर याचिका दायर की गई थी। मुख्य न्यायाधीश जयंत जयसूर्या की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने पेशे से याचिका खारिज करते हुए वकील याचिकाकर्ता पर भी जुमार्ना लगाया था। वकील ने याचिका में दावा किया कि साल 2015 में किया गया 19वां संविधान संशोधन तय प्रक्रिया के तहत नहीं हुआ क्योंकि इसे अंगीकार करने के लिए कोई जनमत संग्रह नहीं कराया गया था। बता दें कि यह दूसरी याचिका है जो 17 से 16 अक्टूबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के खिलाफ दायर की गई।

देश में विपक्षी दलों का आरोप था कि ये याचिकाएं मौजूद राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की ओर से दायर कराई गईं

करंट कॉमिक – न्यू एडिशन : तीसरा दिन

कॉन्सेप्ट दीपक भाटी
डिजाइन नरेश शर्मा

प्रस्तुति करंट क्राइम

पूर्व मेयर आशा शर्मा को मिली मीना भंडारी और प्रीति चंद्रा राय से चुनौती

सोशल चौकीदार **केके शर्मा** के कहने पर उनकी धर्मपत्नी और **पूर्व मेयर आशा शर्मा** पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करती हैं।

पूर्व मेयर आशा शर्मा के यहां पर जो उल्टी गंगा **प्रीति चंद्र राय** और **मीना भंडारी** ने बहाई। उसकी जानकारी मौजूदा मेयर **सुनीता दयाल** को लग गई।

वहीं **मेयर सुनीता दयाल** और **पार्षद शीतल चौधरी** के बीच क्या बात हुई इसकी जानकारी **पार्षद रेखा गोस्वामी** को लग गई।

महिला कार्यकर्ताओं की विधानसभा वाली इच्छा ने अब माहौल बनाना शुरू कर दिया था। **पूनम कौशिक, पूजा तिवारी** को साथ लेकर **मृणालिनी दीदी** से मिलने के लिए टाइगर पर सवार होकर निकल चुकी थीं।

नोट : दैनिक करंट कॉमिक की ये सीरीज पूरी तरह से हमारी कल्पना पर आधारित है। पोलिटिकल किरदारों के साथ लिए गए शब्द हमारी काल्पनिकता के आधार पर लिखे गए हैं।

जारी है.......

नगर आयुक्त ने सफाई कर्मचारियों से सीधी बात कर हड़ताल को कराया समाप्त , मांगों पर कार्रवाई के दिए निर्देश

सफाई कर्मचारियों की मांग को लेकर होगा हरसंभव प्रयास : नगर आयुक्त

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय पर चल रहे सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा पहले दिन ही मौखिक रूप से सभी आवश्यक मांगों को पूर्ण करने के लिए नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश स्वास्थ्य को दिए गए थे जिसके क्रम में कार्यवाही निरंतर चल रही है।

चल रही कार्यवाही को धरने पर बैठे सफाई कर्मचारियों से सीधी बात करते हुए बताया गया तथा लिखित में भी नगर स्वास्थ्य अधिकारी को कार्यवाही की रिपोर्ट अखिल भारतीय सफाई कर्मचारी कल्याण संघ के पदाधिकारी को देने के लिए कहा गया। इस प्रकार धरने को समाप्त कराया गया, साथ ही सभी सफाई कर्मचारियों को सफाई व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के लिए निर्देश दिए तथा उनके द्वारा शहर हित में किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की गई। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश द्वारा बताया गया कि नगर आयुक्त महोदय के निर्देश के क्रम में पहले दिन से ही कार्यवाही जारी है जिसमें लिखित में कार्यवाही रिपोर्ट संबंधित को उपलब्ध भी कर दी गई है। 9 सूत्रीय मांगों को लेकर चल रहे धरने को समाप्त कर दिया गया है।

संविदा सफाई कर्मचारियों को 200 रुपए प्रतिदिन अतिरिक्त भत्ते पर होगा विचार

करंट क्राइम। मांग के क्रम में संविदा सफाई कर्मचारियों को 200 रुपए प्रतिदिन अतिरिक्त भत्ता देने के लिए कहा गया था जिसका निर्णय माननीय सदन के समक्ष विचार हेतु रखा जाएगा। नगर आयुक्त द्वारा निर्देश दिए गए हैं, सफाई कर्मचारियों की पीएफ तथा ईएसआई को लेकर भी नगर आयुक्त द्वारा तत्काल प्रभाव से टीम को प्रत्येक जोन में प्रत्येक सप्ताह उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिए गए। मृतक आश्रितों की फाइलों को तत्काल पेश करने के निर्देश दिए गए तथा योग्यता के क्रम पर मृतक आश्रित को पदोन्नति के विषय पर भी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। सफाई कर्मचारियों के लिए शासनादेश के क्रम में उपचार हेतु अस्पताल में चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। सीएलसी सफाई कर्मचारियों को शासनादेश के अनुपालन में रखा जा रहा है। नगर आयुक्त द्वारा सफाई कर्मचारियों के साथ-साथ अन्य विभागों पर भी गाजियाबाद 311 एप लागू किए जाने के विषय पर अवगत कराया गया। सभी कर्मचारियों को गाजियाबाद 311 एप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज की जानी है जो कि शासन की प्राथमिकता है, अवगत कराया गया। सफाई कर्मचारियों के सहयोग के लिए संगठन के चुनाव की प्रक्रिया नियम अनुसार की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए सफाई कर्मचारियों की भर्ती के विषय पर प्रकरण शासन से संबंधित है। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया पुनः पत्राचार के लिए भी संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए गए, अन्य सभी बिंदुओं पर बारी-बारी चर्चा करते हुए नगर आयुक्त द्वारा संबंधित अधिकारी को तत्काल प्रभाव से कार्यवाही करने के निर्देश दिए तथा लिखित में कार्रवाई रिपोर्ट संबंधित कर्मचारियों को उपलब्ध कराने के लिए भी कहा गया।

पहले दिन से ही कार्यवाही प्रारंभ की गई

करंट क्राइम। नगर आयुक्त द्वारा सफाई कर्मचारियों के धरने पर पहले दिन से ही कार्यवाही प्रारंभ की गई। मौखिक रूप से उपस्थित जनों को अवगत भी कराया गया तथा लिखित में भी रिपोर्ट जारी की गई इसी के साथ सभी उपस्थित सफाई कर्मचारी द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए पुनः अपने-अपने कार्य स्थलों पर बेहतर कार्य करने के लिए भी कहा गया। शहर हित में तथा निगम हित में लगातार कार्यों को बेहतर बनाए रखना अपने कर्तव्य को सही प्रकार से निभाना पहली जिम्मेदारी है जिसको पूर्ण करने के लिए निर्देश दिए। मौके पर पार्षद राजीव शर्मा, पार्षद नीरज गोयल, पप्पू पहलवान व अन्य संगठन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा को सफल बनाने की व्यवस्था में जुटे निगम अधिकारी

कांवड़ियों के लिए मार्ग अवरुद्ध ना हो : नगर आयुक्त

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देशानुसार श्रावण मास के पहले दिन तथा पहले सोमवार को शिवालयों के बाहर गाजियाबाद नगर निगम द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया। कांवड़ शिविर की शुरुआती चरण में भी भरपूर सहयोग किया जा रहा है, लगाए जाने वाली सभी कांवड़ शिविर पर सफाई व्यवस्था सुदृढ़ की गई है।

पैच वर्क, बैरिकेटिंग, लाइटों की मरम्मत और सफाई का कार्य चल रहा है तेज

करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम निर्माण विभाग द्वारा दूधेश्वर नाथ प्राचीन मंदिर के परिसर तथा आसपास आवश्यकता अनुसार बैरिकेटिंग की व्यवस्था कराई गई। निर्धारित कांवड़ रूट पर निरीक्षण करते हुए पेचवर्क का कार्य तेजी से कराया गया। इसी प्रकार प्रकाश विभाग द्वारा भी मेरठ रोड, मोहन नगर चौराहा दुहाई, दूधेश्वर नाथ मार्ग, जस्सीपुरा, अर्थला रोड वह अन्य संबंधित मार्गों पर प्रकाश व्यवस्था को सुचारु किया गया है। आवश्यकता अनुसार नई लाइट भी लगाई गई हैं, सभी लाइटें जल रही हैं। इसी प्रकार समस्त विभागीय अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। कावड़ यात्रा सुखद और सरल बनी रहे इसके लिए लगातार गाजियाबाद नगर निगम के अधिकारी मौके पर दिखाई दे रह हैं। शिव भक्तों को आवागमन में परेशानी ना हो, इसके लिए नगर आयुक्त द्वारा भी शहरवासियों से विशेष सहयोग की अपील की गई है जिसके क्रम में मार्गों को पूर्ण रूप से व्यवस्थित बनाए रखना, मार्गों को खाली रखना, पंडाल को मार्गों से हटाकर लगाना अन्य के लिए शहर वासियों को जागरूक किया जा रहा है। आयोजकों से पंडाल में लाइट तथा पानी की व्यवस्था करने के लिए अपील की गई है।

पूरी दुनिया साइबर क्राइम के बढ़ते दायरे को लेकर चिंतित : पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह

गाजियाबाद, करंट क्राइम। साइबर अटैक एटम बम से भी खतरनाक हो सकता है। साइबर हमला ऐसा होता है, जो न केवल एक इनसान, बल्कि दुनिया को तबाही के मुहाने पर पहुंचा सकता है। साइबर अटैक किसी भी देश या वित्तीय संस्थान को कंगाल कर सकते हैं। यह बात अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में बोलते हुए यूपी के पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रकाश सिंह ने कही। इस सेमिनार में साइबर क्राइम सेल के पूर्व पुलिस अधीक्षक प्रो. त्रिवेणी सिंह ने तमाम जानकारियां साझा कीं और साइबर क्राइम से बचाव के लिए बड़ा कार्यक्रम चलाने की सलाह दी। इस आनलाइन सेमिनार का आयोजन रविवार शाम को इलाहाबाद विश्वविद्यालय पुरा छात्रसंघ (अउआ) ने किया था। संस्था के अध्यक्ष पूर्व आईएएस एस. के. सिंह के संचालन और महासचिव नवीन चन्द्रा के संयोजन में सम्पन्न हुए सेमिनार में देश-विदेश के सौ से ज्यादा प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार का उद्घाटन करते हुए पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह ने बताया कि भारत ही नहीं, दुनिया भर के देशों की सरकारें और सुरक्षा एजेंसियां साइबर क्राइम के बढ़ते दायरे को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने विश्वप्रसिद्ध व्यवसायी वॉरेन बफेट का हवाला देते हुए कहा कि साइबर अटैक एटम बम के अटैक से भी खतरनाक हो सकता है। सिंह ने बताया कि साइबर क्राइम की शिकायतों के मामले में भारत दुनिया का तीसरा बड़ा देश है। यहां हर रोज औसतन 4 हजार साइबर क्राइम दर्ज होते हैं। जो दर्ज नहीं किये जाते, उनकी संख्या इससे कई गुना ज्यादा होती है।

त्रिवेणी सिंह ने बताया कि एक महीने पहले साइबर अपराधियों ने लखनऊ की एक को-आपरेटिव बैंक के 140 करोड़ रुपए गायब कर लिए। एक दिन पहले ही एक व्यवसायी के एकाउंट से 16 करोड़ रुपए की साइबर अपराधियों ने उड़ा लिए। हालांकि बाद में दोनों मामले सुलझा लिये गए, लेकिन ऐसे कई लोग हैं जो नंबर दो का पैसा होने या साइबर क्रिमिनल्स के बनाए फर्जी अश्लील वीडियोज को लेकर ब्लैकमेल हो जाते हैं। कई तो आत्महत्या तक को मजबूर होते देखे गए हैं। त्रिवेणी सिंह ने कहा कि किसी अनजान ही नहीं, जान-पहचान वाले व्यक्ति से भी आनलाइन वार्ता करने से बचना चाहिए। यह जान लेना बहुत जरूरी होता है कि जिससे आप आनलाइन बात कर रहे हैं, उसकी डीपी फर्जी तो नहीं है, किसी भी अनजान ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करने से पहले कई बार विचार करें। उन्होंने कहा कि हालांकि साइबर क्रिमिनल्स को पकड़ना असंभव नहीं है, लेकिन फिर भी सावधान रहना ही होगा। गौरतलब है कि डीजीपी प्रकाश सिंह और प्रो. त्रिवेणी सिंह भी इलाहाबाद विश्वविद्यालय के ही पुरा छात्र हैं। सेमिनार में सबाल जवाब का भी दौर चलाए जिसमें अउआ के दनिया भर के सदस्यों ने साइबर क्राइम को लेकर अपनी जिज्ञासाएं रखीं। अंत में महासचिव नवीन चन्द्रा ने सेमिनार में हिस्सा लेने वाले सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

साइबर अपराधी नित नई तकनीक का प्रयोग कर रहे है

करंट क्राइम। पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रकाश सिंह ने कहा कि साइबर क्राइम के मामलों से निपटने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई.सी.) की स्थापना की है। पुलिस विभाग नियमित रूप से अधिकारियों व उनके अधीनस्थ कर्मचारियों को साइबर क्राइम से निपटने का प्रशिक्षण देता है। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। हमें जरूरत है ऐसे प्रोफेशनल्स की, जो ऐसे मामलों से निपटने के लिए तकनीकी रूप से सक्षम हों। सिंह ने कहा कि साइबर अपराधी नित नई तकनीक का प्रयोग कर रहे हैं और सम्पन्न लोगों को ब्लैकमेल से लेकर लोगों के एकाउंट व बैंकों से मोटी कम चुरा रहे हैं। उन्होंने भारत सरकार के सामने प्रस्ताव रखा कि वह आईआईटी जैसे उच्च तकनीकी संस्थानों से छात्रों को पुलिस विभाग में चयनित करे व उनकी योग्यता का उपयोग करके साइबर क्राइम पर नियंत्रण करने की पहल करे।

तकनीकी की दुनिया में साइबर क्राइम सबसे बड़ा खतरा : प्रो. त्रिवेणी सिंह

करंट क्राइम। देशभर में साइबर कॉप के नाम से मशहूर यूपी के पूर्व पुलिस अधीक्षक (साइबर सेल) प्रो. त्रिवेणी सिंह ने कहा कि तकनीकी की दुनिया में साइबर क्राइम सबसे बड़ा खतरा है। इस समय सबसे गंभीर चुनौती है एई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का गलत इस्तेमाल। उन्होंने कहा कि कोई की भी निजी जानकारी कंप्यूटर से निकाल लेना या चोरी कर लेना भी साइबर अपराध है। साइबर अपराध कई प्रकार से किये जाते हैं। जैसे कि जानकारी चोरी करनाए जानकारी मिटाना, जानकारी में फेरबदल करना, किसी की जानकारी किसी दूसरे को देना। किसी की भी निजी जानकारी उनके स्मार्ट मोबाइल फोन या कंप्यूटर से निकाल लेना या चोरी कर लेना भी साइबर अपराध है।

गुरु पूर्णिमा पर पूजनीय दीदी मां ऋतंभरा का परिवार सहित आशीर्वाद प्राप्त किया : महेश कुमार आहूजा

2 से 6 अगस्त तक पूरे भारत से 543 गौ सांसदों का सम्मेलन दिल्ली में होगा आयोजित

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर रविवार को अपने गुरु जी पूजनीय दीदी माँ ऋतंभरा जी के आश्रम वात्सल्य ग्राम मथुरा वृंदावन जाकर मैंने (महेश कुमार आहूजा अपनी पत्नी उर्मिला आहूजा) अपने परिवार जनों के साथ गुरुजी के चरणों का पूजन किया व उनसे आशीर्वाद लिया। आशीर्वाद के रूप में गुरुजी ने सनातन धर्म व राष्ट्र की सेवा करने का आदेश दिया। दीदी मां ने सदा प्रसन्न रहने का आशीर्वाद दिया। भोजन प्रसादी ग्रहण करने के बाद मैंने सपरिवार दिल्ली सायं 5 बजे नरसिंह सेवा सदन, पितमपुरा पहुँच कर अनंत विभूषित ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द जी के दर्शन किए। उनकी पूजा की व उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। शंकराचार्य जी ने गौमाता को राष्ट्र माता बनाने व गौमाता की हत्या बंद का कानून बनवाने कार्य करने का आदेश दिया। शंकराचार्य जी ने गुरु का महत्व बताया और गुरु का मतलब समझाया- गु यानी अंधकार, रु यानी प्रकाश। वह जो अंधकार से प्रकाश की ओर लेकर जाए। शंकराचार्य जी चतुर्मास दिल्ली में ही रह कर करेंगे। 2 से 6 अगस्त तक पूरे भारत से 543 गौ सांसदों का सम्मेलन दिल्ली में किया जाएगा।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जन्मदिन का वर्ष हर साल पूरे हर्ष के साथ सेलिब्रेट होता है। प्रेरित शर्मा यानी टाइगर भईया का हैप्पी बर्थडे है तो उनके पापा अखिलेश कुमार ने अपने पुत्र को जन्मदिन की बधाई शुभकामनाएं देते हुए सभी के प्यार और आशीर्वाद की कामना अपने बेटे के लिए की। यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।